मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-9, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 201 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
05 जनवरी 2024
शुक्रवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
12 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

337 करोड़ के निर्माण कार्यों का रीवा में शिलान्यास और लोकार्पण

मंत्रियों को जिले के प्रभार की जद्दोजहद समीक्षा के बाद दिल्ली जाएंगे मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपनी संभागीय समीक्षा के दौर में आज रीवा पहुंचे हैं। वे पहले यहां जन आभार यात्रा के जरिए रोड शो कर रहे हैं। फिर शाम को वे संभाग की कानून व्यवस्था व अन्य विकास कार्य की समीक्षा बैठक करने वाले हैं। इसके बाद वे सीधे दिल्ली जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि जल्द ही मंत्रियों को जिलों के प्रभार देने समेत कुछ अन्य जरूरी मामलों में वे हाइकमान से चर्चा करेंगे। सरकार को 26 जनवरी से पहले मंत्रियों को जिले के प्रभार का वितरण करना है। चूंकि मंत्रियों की संख्या कम है इसलिये अधिकांश के पास दो दो जिलों का जिम्मा दिया जाएगा। इस प्रभार भी राजनीतिक व प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए बांटे जाने की कवायद चल रही है।

संभाग समीक्षा के लिये जमकर चल रहा है होमवर्क

फाइल फोटो

जानकार बताते हैं संभाग समीक्षा की तैयारी सिफँ संबंधित विभाग के अफसर ही नहीं कर रहे हैं बल्कि मुख्यमंत्री सचिवालय भी हर संभाग में पुलिस व प्रशासन के मैदानी कामकाज की हर बारीक जानकारी भी जुटा रहा है। इसका मकसद यही है कि आम जनता से जुड़े मामले में मैदानी अफसर किसी तरह की कोताही न कर सकें। इसके अलावा चुनाव के दौरान अफसरों के कामकाज आदि पर भी गौर किया जा रहा है। दो दिन पहले जबलपुर संभाग की समीक्षा बैठक के बाद कलेक्टर सौरव सुमन को जनता की शिकायतों व असंतोष के चलते हटाया गया है। माना जाता है कि विंध्य में हाल के चुनाव परिणाम के बाद भाजपा इसमें और सुधार करने की कोशिश में है। इसीलिये यह संभाग भाजपा व सरकार दोनों के लिये चुनावी रोडमैप का अहम हिस्सा है। आज सीएम रीवा में आमसभा भी संबोधित करेंगे तथा 337 करोड़ 90 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसमें 40 सड़कों के निर्माण कार्य शामिल हैं। वे दो स्कूल भवन, केन्द्रीय जेल रीवा की आठ बैरकें तथा नगर निगम रीवा में सड़कों के सुधार एवं नाला निर्माण का लोकार्पण भी करेंगे।

मोदी को भाया नौटियाल का भजन, शेयर किया

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन व मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जारी हैं और भाजपा शासित राज्यों में भी पार्टी ने अपने नेताओं को इस मामले में लोगों के बीच रहने व सरकार के प्रयासों से अवगत कराने के लिये कहा है। इस बीच आज पीएम मोदी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर भगवान श्रीराम का एक मधुर भजन साझा किया है साथ ही भजन के गायक जुबिन नौटियाल, लेखक मनोज मुंतशिर और म्यूजिक कंपोजर पायल देव की तारीफ भी की। मोदी ने 'मेरे घर राम आए हैं' भजन साझा करते हुए लिखा, भगवान श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा के सुअवसर पर अयोध्या के साथ-साथ पूरा देश राममय हो रहा है।

हरियाणा में ईडी छापे में पांच करोड़ कैश, सोना व हथियार मिले

यमुनानगर , एजेंसी।

हरियाणा के कई जिलों में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी से खनन कारोबारियों में हड़कंप मच हुआ है। कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज हुए अवैध माइनिंग मामलों के बाद यह ईडी का बड़ा एक्शन है। पूर्व विधायक और आईएनएलडी नेता दिलबाग सिंह के घर, कार्यालय और विभिन्न ठिकानों पर भी ईडी की टीमों ने एक साथ दस्तक दी। सूत्रों के मुताबिक दिलबाग सिंह ने ठिकानों से अभी तक 5 करोड़ रुपये मिले है। उनके ठिकानों से विदेशी हथियार और 300 जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। 5 किलो सोना भी बरामद किया गया है। यमुनानगर के अलावा फरीदाबाद, सोनीपत, करनाल, मोहाली और चंडीगढ़ में भी ईडी की टीमें छापेमारी कर रही है। सोनीपत में कांग्रेस के विधायक सुरेंद्र पंवार, और उनके सहयोगी सुरेश त्यागी के घर भी ईडी की टीम पहुंची है। करनाल में बीजेपी नेता मनोज वधवा के घर ईडी ने छापेमारी की है।

ईडी टीम पर हमला

उधर राशन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम आज छापेमारी करने उत्तर 24 परगना पहुंची लेकिन ईडी की टीम को यहां ग्रामीणों की भीड़ ने घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। भीड़ ने ईडी अधिकारियों के साथ-साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की है। जांच एजेंसी की टीम यहां राशन घोटाले के केस में टीएमसी नेता एसके शाहजहां शेख के घर छापेमारी करने पहुंची थी।

सोमालिया के पास जहाज हाइजैक, भारतीय क्रू मौजूद

नई दिल्ली , एजेंसी।

सोमालिया के पास एक जहाज को हाइजैक कर लिया गया। खबरों के मुताबिक इस 'एमवी लीला नॉरफॉक' जहाज पर 15 भारतीय क्रू मेंबर मौजूद हैं। हाइजैकिंग की जानकारी मिलने के बाद भारतीय नौसेना एक्टिव हो गई है। नौसेना ने बताया है कि किडनैप किए गए जहाज 'एमवी लीला नॉरफॉक' की तलाशी के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसके किडनैप होने के बारे में जानकारी मिली थी। सोमालिया के तट के पास अगवा किए गए इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा लगा है।

25 सीटों के लिए सपा से तकादा करेगी कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोकसभा चुनाव करीब आते ही अब विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर मंथन का दौर तेज है। 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा कैसे होगा, नजरें इस पर भी हैं। पहले ऐसी खबरें थीं कि यूपी कांग्रेस सूबे की 40 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी कर रही है लेकिन पार्टी के तेवर अब कुछ नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। खबरें हैं कि कांग्रेस ने 25 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी की है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने उन संभावित सीटों को चिह्नित कर लिया है जहां पार्टी की स्थिति मजबूत है और वह चुनाव जीत सकती है। जबकि देशभर में कांग्रेस करीब तीन सौ सीटों पर अकेले लडने के पक्ष में है। गठबंधन वाले राज्यों के प्रदेशाध्यक्षों को भी कल रात बैठक में पार्टी की रणनीति समझा दी गई है।

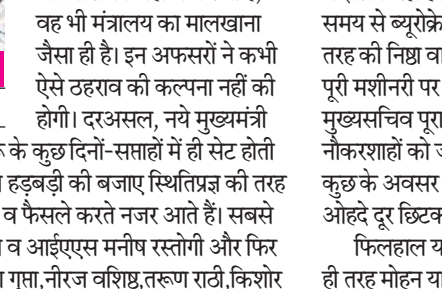

जीएमसी की एचओडी को 24 घंटे में हटाया, काम पर लौटे जूडा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी मेडिकल कॉलेज के गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट में एक दिन पहले पदस्थ की गईं डॉ. अरुणा कुमार को आज 24 घंटे में ही हटा दिया गया। उनको वापस मेडिकल एजुकेशन डायरेक्टरेट भेजा गया है। डॉ. अरुणा की जीएमसी में पोस्टिंग से नाराज हड़ताल कर रहे 75 जूनियर डॉक्टर आज ड्यूटी पर लौट आए हैं। । इनके समर्थन में अन्य विभाग के जूडा ने भी काली पट्टी बांधकर काम किया। जूडा की नाराजगी को देखते हुए चिकित्सा व्यवस्था लड़खड़ाने की आशंका पैदा हो गई थी।

दरअसल गत वर्ष जीएमसी से

गायनेकोलॉजी विभाग में एमडी कर रही जूनियर डाक्टर बाला सरस्वती सुसाइड मामले में डा. डाक्टर अरुणा कुमार आरोपं से घिरी रही हैं। लिहाजा विभागाध्यक्ष के तौर पर वापसी के बाद विरोध के स्वर मुखर हो गए थे। बाला सरस्वती ने जिस वक्त आत्महत्या की थी तब वह गर्भवती थी। इस मामले पर जूडा ने काफी हंगामा किया था।

आईआईटी छात्रों को एक करोड़ रुपए का पैकेज

मुबंई , एजेंसी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कॉलेज देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कॉलेज माने जाते हैं। जहां एडमिशन मिलना भी बड़ी बात है। इस कॉलेज से पास आउट हुए छात्र अधिकतर बड़ी-बड़ी कंपनियों में अच्छे पद पर नौकरी पाते हैं। हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बंबई के छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट के जरिए एक करोड़ रुपये का पैकेज हासिल किया है, जबकि 63 को इंटरनेशनल ऑफर्स मिले हैं। खबर के मुताबिक 85 छात्रों की 1 करोड़ के पैकेज पर नौकरी लगी है और 63 ऐसे छात्र हैं जिनका इंटरनेशनल प्लेटमेंट हुआ है। कैंपस का दौरा करने वाले टॉप रिक्रूटर एक्सेंचर, एयरबस, एयर इंडिया, एप्पल, आर्थर डी. लिटिल, बजाज, बार्कलेज, कोहेसिटी, दा विंची, डीएचएल, फुलर्टन, फ्यूचर फर्स्ट, जीई-आईटीसी वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण और गूगल जैसी कंपनियां हैं।

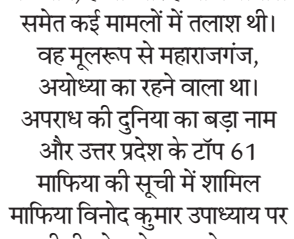

सियासत चर्चा में है मध्यप्रदेश में नई सरकार की नई प्रशासनिक जमावटों का दौर...

अफसर, मुख्यमंत्री और मंत्रालय का मालखाना...!

अर्थात्
आशीष दुबे

पुलिस थानों में अक्सर एक खास कक्ष होता है, जिस पर लिखा होता है-मालखाना। यहां जब्त किए सामान जमा रहते हैं, महीनों व कभी बरसों तक ! लेकिन अब प्रशासनिक वीथिकाओं में यही अदृश्य कक्ष व अव्यक्त शब्द तैर रहा है। मप्र के नौकरशाहों व नौकरशाही को नए सिरे से कस रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आधा दर्जन से ज्यादा रसूखदार आईएएस अफसरों को जहां बैठा रखा है, वह भी मंत्रालय का मालखाना जैसा ही है। इन अफसरों ने कभी ऐसे ठहराव की कल्पना नहीं की होगी। दरअसल, नये मुख्यमंत्री की कार्यशैली शुरू के कुछ दिनों-सप्ताहों में ही सेट होती है। इसीलिए यादव हड़बड़ी की बजाए स्थितिप्रज्ञ की तरह हालातों को भांपते व फैसले करते नजर आते हैं। सबसे पहले अपने पीएस व आईएएस मनीष रस्तोगी और फिर मनीष सिंह, मुकेश गुप्ता,नीरज वशिष्ठ,तरूण राठी,किशोर कान्याल, सौरव सुमन समेत आईपीएस संजय झा,विजय खत्री उनके रडार पर आते गए। एकाध को छोड़ बाकी बिना विभाग के अफसर हैं। मुकेश गुप्ता, उमाकांत उमराव जैसे कुछ और अफसर भी हैं जो लूपलाइन में डाल दिए गए हैं। माना जा रहा है कि अभी कुछ और नंबर आने बाकी है।

दरअसल मोहन यादव ने सरकार की कार्यप्रणाली को सरकार में ही रहकर गौर से देखा है,जो उनके फैसलों में झलक रहा है। मप्र में पिछले कुछ समय से ब्यूरोक्रेसी हावी नजर आने लगी थी, कुछ खास तरह की निष्ठा वाले अफसरों का कॉकस बन गया था, जो पूरी मशीनरी पर हावी था। इकबाल सिंह बैंस का बतौर मुख्यसचिव पूरा कार्यकाल व एक्सटेंशन ने बाकी के नौकरशाहों को जो संकेत देना था, दे दिए थे। नतीजतन, कुछ के अवसर हाथ से जाते रहे और कुछ के बेहतर ओहदे दूर छिटकते रहे व बड़ा वर्ग हताश बैठ गया।

फिलहाल यह रामायण के सबसे लंबे बालकांड की ही तरह मोहन यादव के व्यक्तित्व को गढने वाला अहम कालखंड है। अफसरशाही का पुराना *हस्तिनापुर* अब

दरक चुका है। संकेत साफ हैं कि गुटबाजी नहीं चलेगी। बावजूद इन शुरूआती दिनों को छोड़ दें तो आगे सब कुछ हमेशा सहज रहेगा, यह मानना जल्दबाजी होगी। दरअसल, अफसरों को लगातार हटाने के बहुत से फायदों के बावजूद अंर्तनिहित कुछ खतरे भी हैं। इन दोनों कारकों को यादव को पूर्ववर्तियों के उदाहरण सामने रखकर अपने चश्मे से पढ़ने की जरूरत है। एक वक्त इसी मंत्रालय में राकेश साहनी से लेकर सुधिरंजन मोहंती जैसे कई अफसर भी बिना विभाग के लंबे समय *मालखाने* में रहे व बाद में अपने-अपने सीएम के उपयोगी भी बने। पूर्व सीएम बाबूलाल गौर कहते थे कि नौकरशाही घोड़ा है,बस घुड़सवार(सीएम) दक्ष होना चाहिये।

बहरहाल,जैसे जैसे वक्त बीतेगा, मप्र के अफसरों की एक खास लॉबी का रुख गौरतलब होगा। मप्र में घोषणाओ की जो बाढ आई थी, वह सरकार की आर्थिक संरचना को हिलाएगी। नये आर्थिक स्त्रोतों की तलाश यदि आम आदमी की जेब तक नये टैक्स के नाम से पहुंची तो सियासी संरचना पर असर पड़ेगा। लिहाजा, पांच महीने बाद संभवतःजुलाई में मोहन सरकार का पहला बजट परीक्षा की घड़ी होगा तथा इसके बाद का रास्ता कुछ पथरीला भी। तब तक सरकार का हनीमून पीरिएड भी खत्म हो चुका होगा। आमजन,अफसरों व अवसरों को अनुकूल बनाए रखने तथा इन सबसे पहले मार्च में उन्हें नया मुख्यसचिव चुनने की भी चुनौती है। वैसे, हाल में करीब बीस सीनियर आईएएस व आईपीएस अफसरों को संभागों के प्रभार देकर यादव ने नयी टीम गढने का प्रयास किया है। उनकी मंशा मोहक और तेवर जमीनी हैं। इससे माना जा सकता है कि वे सीईओ जैसे आत्मप्रशंसित जुमलों से बचते हुए सहज व दक्ष प्रशासक की छवि हासिल कर लेंगे।

उप्र के कुख्यात गैंगस्टर विनोद उपाध्याय को एनकाउंटर में ढेर किया

लखनऊ एजेंसी। यूपी एसटीफ ने गोरखपुर के कुख्यात माफिया विनोद उपाध्याय को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि देर रात सुल्तानपुर में एसटीफ और माफिया के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया ढेर हो गया। उपाध्याय के सिर गोरखपुर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी। वह मूलरूप से महाराजगंज, अयोध्या का रहने वाला था। अपराध की दुनिया का बड़ा नाम और उत्तर प्रदेश के टॉप 61 माफिया की सूची में शामिल माफिया विनोद कुमार उपाध्याय पर एडीजी जोन गोरखपुर ने इनाम घोषित किया था। एनकाउंटर में गोली लगने से गंभीर घायल उपाध्याय को मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सर्दी से ठिठुरन...

राजधानी में नए साल से मौसम बदला हुआ नजर आया। क्षेत्र में कोहरा छाया रहा और कड़ाके की सर्दी से लोग ठिठुरते नजर आए। ठंड की गलन है से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं।

5वीं 8वीं की वार्षिक परीक्षा 6 मार्च से शुरू होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के स्कूलों के कक्षा पांचवी और आठवीं के विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। राज्य शिक्षा केंद्र ने पांचवी और आठवीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं की समय सारणी जारी कर दी है। इन कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू होंगी और 14 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षाओं में प्रदेश के सभी सरकारी, मान्यता प्राप्त निजी और अनुदान प्राप्त स्कूल, डाइस कोड प्राप्त मदरसे शामिल होंगे। पांचवी-आठवीं कक्षा का पहला पेपर प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी विषय का रहेगा।

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी की समय सारणी, 14 मार्च तक चलेगी परीक्षा

दोनों कक्षाओं का पहला पेपर हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी रहेगा

नहर का पानी रहवासी परिसर में घुसा

जल संसाधन विभाग के एसडीओ पीड़ितों के नहीं उठाते फोन

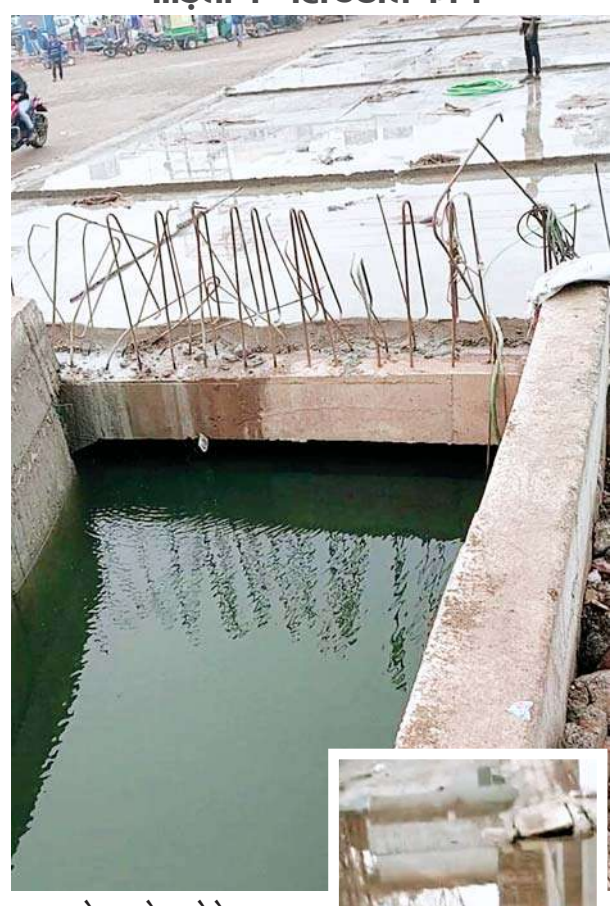

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार क्षेत्र में सिक्स लेन रोड निर्माण कार्य में देरी और प्रशासनिक त्रुटियों, विभागो के आपसी ताल मेल के अभाव के कारण क्षेत्र की जनता भारी परेशान हो रही है जानकारी मिली है की विगत कई दिनों से जानकी अपार्टमेंट और डी मार्ट के बीच से निकलने वाली जल संसाधन विभाग की नहर का पानी जानकी अपार्टमेंट के अंदर तक घुस रहा है। वही पानी नगर निगम के जोन ऑफिस, तहसील कार्यालय मार्ग में भी भर जाता है।

जानकी अपार्टमेंट रहवासी समिति के अध्यक्ष महेश देवनानी ने बताया नहर का पानी जानकी अपार्टमेंट में घुसने पर जल संसाधन विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया मगर आज दिनांक तक नहर का पानी अपार्टमेंट में भरने की समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

अपार्टमेंट के रहवासी भी अपने-अपने स्तर से सरकारी अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। राजनीतिक पार्टी की महिला विंग से जुड़ी रहवासी ने बताया जल संसाधन विभाग के अधिकारी, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर समस्या को हल करने की जगह जिम्मेदारी से बचते हुए नजर आ रहे हैं। अपार्टमेंट के नजदीक ही फुटकर व्यापार कर रहे व्यापारी ने बताया होटल प्राइड के सामने बनी पुलिया के कारण पानी के बहाव में बाधा आ रही है। एसडीओ जल संसाधन विभाग ने जानकी अपार्टमेंट रहवासियों द्वारा एवं संवाददाताओं द्वारा कॉल लगाये जाने पर कॉल नहीं रिसीव किया।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का कहना है नहर पर बन रही सिक्स लेन सड़क की पुलिया से जल निकासी की व्यवस्था जल्द ठीक करा दी जाएगी। पार्षद बबिता डोंगरे का कहना है समस्या की जानकारी मिली है जल्द समाधान करा दिया जाएगा।

वैश्विक सहयोग के द्वार खुलेंगे

भोपाल-इंदौर का वेटलैंड सिटी में शामिल होना लगभग तय

केंद्र ने रामसर सचिवालय को भेजा प्रस्ताव, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल व इंदौर का वेटलैंड सिटी में शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है। केंद्र सरकार न हाल ही में इन शहरों को उक्त श्रेणी के सिटी में शामिल कराने के लिए रामसर सचिवालय स्विजरलैंड को प्रस्ताव भेज दिया है।

राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि भोपाल में बड़ा तालाब है, जिसे 2002 से रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है। यह शहर जैव विविधताओं से भरपूर है तो इंदौर के पास सिरपुर व यशवंत सागर जैसे दो मुख्य तालाब है, जिन्हें 2022 में रामसर साइट का दर्जा मिला है। इन्हीं कारणों से इन शहरों के नाम भेजे हैं। अधिकारियों के मुताबिक केंद्र को सबसे पहले इंदौर और फिर भोपाल का प्रस्ताव भेजा था। सबकुछ ठीक रहा तो वेटलैंड सिटी की घोषणा फरवरी 2024 में हो सकती है। 1 व 2 फरवरी को इंदौर के सिरपुर में 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस मनाया जाना है। इसमें रामसर सचिवालय के अधिकारियों का दल शामिल होगा।

केंद्रीय मंत्री ने दी जानकारी

दोनों शहरों को वेटलैंड सिटी का दर्जा दिलाने की जानकारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर जानकारी साझा कर दी है। कुल तीन शहरों के लिए उक्त प्रस्ताव भेजा है, जिसमें राजस्थान का उदयपुर शहर भी शामिल है।

दर्जा मिला तो यह फायदा होगा

♦अब यदि इन शहरों को उक्त दर्जा मिलता है तो इनके लिए भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए दिए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय सहयोग के द्वार खुल जाएंगे। राज्य सरकार और सामाजिक स्तर पर इन शहरों में पर्यावरण संरक्षण की नैतिक जिम्मेदारी भी बढ़ जाएगी। अच्छे पर्यावरण और झीलों के शहरों को पसंद करने वाले पर्यटकों का रूझान भी बढ़ेगा।

♦वेटलैंड सिटी का अर्थ ऐसा शहर जहां का पर्यावरण हर दृष्टि से अनुकूल हो। इन शहरों को इस योग्य बनाने के लिए विभागों पर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, उस अनुरूप प्रत्येक योजनाओं में पर्यावरण व तालाब संरक्षण को ध्यान में रखना होगा।

♦ये शहर विश्व के पर्यटकों को अपनी ओर खीचेंगे, क्योंकि संगठनों द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में मान्यता प्राप्त शहरों की ओर दुनिया भर के पर्यटकों का रुझान बढ़ा है।

♦इस तमगे को जरिया बनाकर सरकारें व विभाग संबंधित शहरों के लिए वैश्विक स्तर की संस्थाओं से कई तरह के लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

पार्षद के लिए 27 केंद्रों पर मतदान जारी

भोपाल। भोपाल के वार्ड-41 में पार्षद के लिए उपचुनाव हो रहा है। यहां कुल नौ प्रत्याशी मैदान में हैं। जिनकी किस्मत का फैसला 22 हजार 511 मतदाता आज करेंगे। वार्ड के 27 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई है। जो शाम 5 बजे तक चलेगी।

रूप कुमार ने श्रीराम ध्वजा का वितरण किया

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा समिति के मुख्य सलाहाकार रुप कुमार सोनी को समिति की ओर से श्रीराम ध्वजा दी गई। मौका था सोनी के जन्मदिन का। सोनी ने श्रीगणेश, श्रीशिवजी, श्रीरामजी एवं श्रीहनुमानजी का आशीर्वाद लिया। श्रीराम के ध्वजा के साथ राम नाम लेख पुस्तक एवं लाल पेन वितरण किया। समिति ने प्रतिष्ठानों एवं घर-घर में श्रीराम जी का ध्वज जरुर लगाने की। समिति के अध्यक्ष देवानी ने बताया कि राम नाम लेख की कॉपी में बच्चों द्वारा ग्राम नामश् का लेख लिखवाएं एवं जब कॉपी भर जाए तो समिति के अर्चक पुरोहित पं0 राज कुमार गर्ग 9893134754 को जमा करवाए। ये राम नाम लेख की कापी अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर पहुंचाई जाएगी।

विधायक बोट रेस 6 जनवरी को, विजेता को बाइक मिलेगी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में होने वाली विधायक बोट रेस की तैयारियां शुरू हो गई हैं। छह जनवरी को होने वाली रेस का शुभारंभ विधायक रामेश्वर शर्मा करेंगे। बोटर रेस की जानकारी देते हुए अध्यक्ष रोहन केवट रामू ने बताया रेस की विजेता टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। रेस में 36 टीमें भाग ले रही हैं, प्रथम पुरस्कार स्पलेंडर बाइक है । रेस छह जनवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। बता दे बीते कई सालों से बोट रेस बड़े तालाब की लहरों पर यादगार होती है। संतनगर में तालाब घाट पर बड़ी संख्या में लोग आनंद लेते हैं। तैयारियों के चलते जहां रेस स्थल को सजाया गया है। वहीं, आयोजन को पोस्टर विमोचित किया गया है।

मेट्रो एंकर

सेवा सदन में 14 फरवरी से 99वां निःशुल्क यूरोलॉजी और जनरल सर्जरी शिविर

हर्निया, थायरॉइड, प्रोस्टेट आदि रोगों के ऑपरेशन होंगे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में जीव सेवा संस्थान के सहयोग से 14 फरवरी 2024 से 99वां निःशुल्क युरोलॉजी और जनरल सर्जरी शिविर लगाया जायेगा । युरोलॉजी और जनरल सर्जरी शिविर में पेशाब में रूकावट से संबंधित बीमारियों जैसे - मूत्र नली में पथरी, प्रोस्टेट बढ़ने, हाइड्रोसिल और जनरल सर्जरी यथा हर्निया, गाल ब्लेडर, कर्णफूल, थायरॉइड की बीमारियां, सिर और गले के पास बड़ा मास जैसी बीमारियों की निःशुल्क जांच और उपचार किया जायेगा । इनमें से यदि कोई ऐसा रोगी जिसकी बीमारी ऑपरेशन से ही ठीक होगी तो उसका निःशुल्क ऑपरेशन भी किया जायेगा ।

पंजीयन शुरू हुआ: सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के आइ.एच.एल खण्ड में पूर्वान्ह 11 से संध्या शाम बजे तक रोगियों का पंजीयन 01 जनवरी, 2024 से शुरु हो गया है । पंजीयन 14 फरवरी 2024 तक रविवार छो?कर प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा । मरीज, मोबाईल नम्बर 6260392547 पर भी पंजीयन करवा सकते हैं । श्प्रथम आवें-प्रथम पावेंश् आधार पर रोगियों को शिविर में निःशुल्क जांच उपचार और आपरेशन की सुविधा सुलभ होगी।

जनरल सर्जरी 14 से: 99वां निःशुल्क यूरोलॉजी और जनरल सर्जरी शिविर 14 से 26 फरवरी 2024 तक चलेगा । दिनांक 14 से 16 फरवरी तक डॉक्टरों से परामर्श तथा रोग संबंधी सभी प्रकार की जांचें की जायेगी । ऑपरेशन के लिये चिन्हित रोगियों को 17 फरवरी को अस्पताल में भर्ती किया जायेगा । युरोलॉजी और जनरल सर्जन्स द्वारा 19 से 23 फरवरी 2024 तक रोगियां के ऑपरेशन किये जायेंगे । पोस्ट ऑपरेटिव केयर के बाद रोगियों को अस्पताल से छुट्टी दी जायेगी ।

सब कुछ मुफ्त

शिविर में मरीजों की सभी प्रकार की पैथालॉजी जांचें, सोनोग्राफी, एक्सरे, यूरोफ्लोमेट्री जांच, आवश्यक होने पर ऑपरेशन, अस्पताल में भर्ती करने, दवाईयां, भोजन, दूध, फल तथा ऑपरेशन पूर्व और पश्चात् रोगी की देखभाल निःशुल्क की जायेगी । शिविर में उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं का लाभ उठाने के लिये रोगी अपने आधार कार्ड की एक फोटोकॉपी तथा परिवार के किसी सदस्य अथवा रिश्तेदार का मोबाइल नम्बर जरूर लेकर आये । पेशाब की रूकावट और अन्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों ने यदि पहले कभी इलाज करवाया हो तो उसके पर्चे तथा जांच रिपोर्टें अवश्य शिविर में लेकर आयें ।

संतजी ने की शुरूआत

संत हिरदाराम साहिब जी ने संत नगर में वर्ष 1994 से निःशुल्क यूरोलॉजी शिविर लगवाना शुरू किये थे । तब से 2023 तक कुल 98 शिविर लगाये गये हैं। वर्ष 1994 से 2023 तक लगे 98 शिविरों में 51,400 रोगियों की जांच और उपचार किया जबकि उनमें से 11,145 रोगियों के निःशुल्क यूरोलॉजी ऑपरेशन किये गये । इनमें 3641 प्रोस्टेट, 1996 पत्थरी, 2162 हर्निया, 476 सर्कमसीशन, 618 सिस्टोस्कॉपी, 494 युआरएस, 545 ब्लेडर स्टोन तथा 1213 अन्य प्रकार की शल्य क्रियाएं शामिल हैं ।

यह डॉक्टर देंगे सेवाएं

शिविर में डॉक्टर सी.पी. देवानी, डॉ. सुधीर लोकवानी, डॉ. राजेन्द्र पंजाबी, डॉ. दीपक जैन, डॉ. दीपक झांगियानी, डॉ. टी.के. ज्ञानचंदानी, डॉ. जी.टी. खेमचंदानी, डॉ. लाल किशनानी, डॉ. प्रीति मोतियानी, डॉ. दिलीप चोटरानी आदि ने शिविर में भाग लेने की सहमति दे दी है ।

विकास होगा निरंतर
विंध्य को बनायेंगे और बेहतर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा
₹ 320 करोड़ लागत के विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं लोकार्पण
तथा
हितग्राहियों को हितलाभ वितरण
एवं
रीवा संभागीय समीक्षा बैठक

5 जनवरी, 2024 । दोपहर 12:00 बजे । एनसीसी ग्राउंड, रीवा

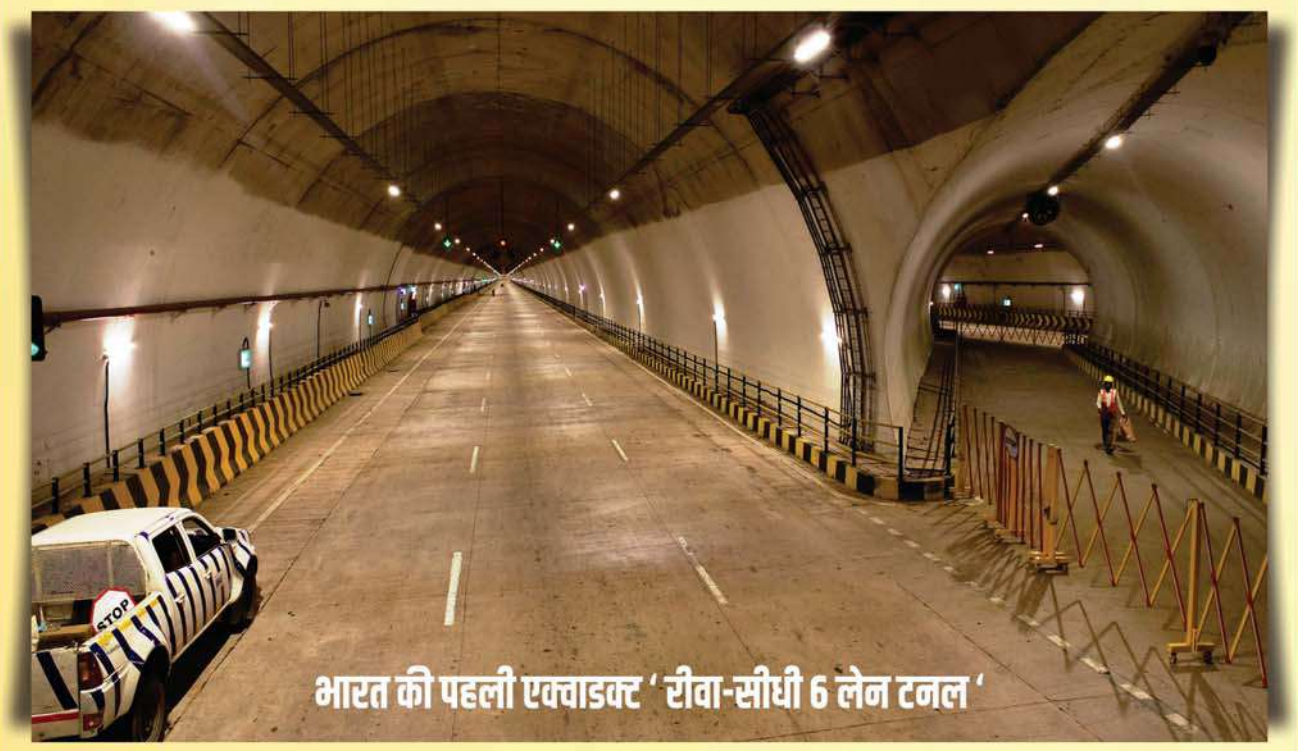

भारत की पहली एक्वाडक्ट ' रीवा-सीधी 6 लेन टनल '

"हमारा विंध्य क्षेत्र प्रदेश की शान है, इसका सतत विकास हमारी प्राथमिकताओं में से एक है। शीघ्र ही विंध्य विकास बोर्ड की स्थापना की जायेगी। हम मिलकर विंध्य में विकास के नए कार्य करेंगे। इस क्षेत्र की बेहतरी प्रदेश के विकास को अधिक गति प्रदान करेगी।"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

D11163/23

सुविचार

प्रेम और करुणा जितना ही हमारे अंदर होगा, हमारा जीवन उतना ही सुंदर होगा।

- अज्ञात

संपादकीय

फैसले के दूरगामी पहलू

सुप्रीम कोर्ट का दो दिन पहले अदानी व हिडेनबर्ग मामले में आया एक फैसला इस विवाद को पूरी तरह शांत भले न कर पाए, लेकिन मसले से जुड़े तमाम कानूनी पहलुओं को इसमें महत्वपूर्ण ढंग से संबोधित किया गया है। इसी वजह से यह जटिल पहलुओं वाले एक अहम मामले में दिए गए ऐतिहासिक फैसले के रूप में याद रखा जाएगा। अडानी-हिंडनबर्ग रिसर्च विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला अहम तो है ही, यह कई नाजुक पहलुओं को बेहद संजीदगी से छू रहा है। इस फैसले को सावधानी से देखने और समझने की जरूरत है। यह फैसला खास तौर पर दो बिंदुओं पर केंद्रित माना जा सकता है। राजनीतिक विवाद का हिस्सा होने की वजह से इस मसले से जुड़े कई पहलू आपस में गड्डमड्ड हो चुके थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सामने जब यह मामला आया तो उसने अपना ध्यान इसके बुनियादी सवालों पर केंद्रित रखा। यही नजरिया फैसले में भी स्पष्ट झलकता है। रिपोर्ट की प्रामाणिकता और सेबी के अधिकार क्षेत्र कोर्ट के मूल्यांकन पर आधारित है।

अडाणी ग्रुप द्वारा कथित स्टॉक मैनिपुलेशन पर दी रिपोर्ट और हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इनकी सचाई को स्वतंत्र रूप से परखा नहीं जा सकता और इसीलिए इन रिपोर्टों को प्रामाणिक सूचना के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। यही नहीं, कोर्ट ने उन एफपीआई रेग्युलेशंस की वैधता भी स्वीकार की, जिनका इस्तेमाल अडाणी ग्रुप ने कथित तौर पर स्टॉक मूल्यों को बढ़ाने में किया था। कोर्ट ने साफ कहा कि इन रेग्युलेशंस को रद्द करने का कोई ठोस आधार नहीं है। जहां तक सेबी के अधिकार क्षेत्र का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट ने असाधारण संवेदनशीलता का परिचय देते हुए न सिर्फ अपनी सीमाओं का खयाल रखा बल्कि संस्थानों की स्वायत्तता के सिद्धांत को नए सिरे से रेखांकित किया। फैसले में कोर्ट ने कहा कि सेबी के रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क में प्रवेश करने का उसका अधिकार सीमित है। सेबी जैसे नियामक निकायों की अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता और स्वायत्तता के सम्मान के लिहाज से कोर्ट का यह रुख आगे अन्य मामलों में भी न्यायिक प्रक्रिया के लिए दिशानिर्देश का काम करेगा। यह इस बात का संकेत है कि जब तक नियमों, कानूनों के उल्लंघन के स्पष्ट सबूत न हों तब तक इन नियामक निकायों के कामकाज में दखल देने से बचने की जरूरत है।सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त एक्सपर्ट कमिटी के सदस्यों के खिलाफ हितों के टकराव संबंधी दलीलों को भी कोर्ट ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि किसी थर्ड पार्टी की अपुष्ट रिपोर्ट को कानूनी प्रक्रिया में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि हिडेनबर्ग की रिपोर्ट ने भारतीय बाजार में भूचाल ला दिया था इसके बाद कई विवाद खड़े हो गए थे तथा सियासी तौर पर भी इसे लेकर विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर नजर आने लगे थे। अब सेबी को अपना काम पूरा करना है उसके पास 3 महीने का वक्त है उम्मीद की जा सकती है कि पूरी सच्चाई सामने आएगी।

आज का इतिहास

- 1066- नॉर्मन विजय से पहले हेरोल्ड गॉडविंसन को इंग्लैंड का राजा बनाया गया।
- 1316- खिलजी वंश के शासक सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी का निधन हुआ।
- 1322- स्टीफन डेंकस्की सर्बिया का राजा बना ।
- 1449- कॉन्सटेंटाइन इलेवन पैलियोलोस को बीजान्टिन-रोमन सम्राट का राजा बनाया गया।
- 1664- छत्रपति शिवाजी महाराज ने सूरत पर हमला किया।
- 1824- फ्रांसीसी लेखक और साहित्यकार एलेग्ज़ान्डर डोमा कनिष्ठ का पेरिस में जन्म।
- 1832- उन्मूलनवादी विलियम लॉयड गैरीसन ने न्यू इंग्लैंड विरोधी गुलामता समाज की स्थापना की।
- 1838- एल्फ्रेड वेल और सैम्युएल मोर्स ने पहली बार दुनिया के सामने विद्युत टेलीग्राफ का सफल प्रदर्शन किया।
- 1885- आधुनिक भारत के प्रसिद्ध हिंदी कवि और लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र का निधन।
- 1899- लॉर्ड कर्जन को भारत का वायसराय बनाया गया।
- 1907- रोम में पहली मोंटेसरी स्कूल और डेय केयर सेंटर की शुरुआत हुई।
- 1912- एल्फ्रेड वेगेनर ने महाद्वीपीय विस्थापन के सिद्धान्त को प्रस्तुत किया।
- 1919- अमरीका के 26वें राष्ट्रपति थ्योडर रोजवेल्ट का निधन।
- 1928- चार्ली चैपलिन की मूक कॉमेडी फिल्म 'द सर्कस' का प्रीमियर न्यूयॉर्क शहर में स्ट्रैंड थिएटर में हुआ।
- 1932- यूसुफ लियोनस ऑस्ट्रेलिया के 10 वें प्रधानमंत्री बने।
- 1947- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया।
- 1950- ब्रिटेन ने चीन की कम्युनिस्ट सरकार को मान्यता दी।
- 1955- मिस्टर बीन के किरदार से दुनिया भर को दीवाना बनाने वाले सर रोवन सेबेस्टियन का जन्म।
- 1959- भारत को पहला क्रिकेट विश्व कप दिलाने वाले प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी कपिल देव का जन्म।
- 1967- संगीत की दुनिया के बेताज बादशाह अल्लाह रक्खा रहमान (ए.आर.रहमान) का जन्म।
- 1989- इंदिरा गांधी की हत्या के दोषी सतवंत सिंह और केहर सिंह को फांसी दी गई थी।

संसद के शीतकालीन सत्र का विघटन स्पष्ट रूप से सरकार के लिए कोई चिंता का विषय नहीं था। जब विपक्षी सदस्यों ने दोनों सदनों को बाधित किया, तो सरकार को सांसदों के निलंबन के लिए आगे बढ़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। 20 दिसंबर को जब सत्र समय से पहले समाप्त हुआ, तब तक दोनों सदनों के अभूतपूर्व 146 सांसदों को निलंबित किया जा चुका था।

संसद में बहस पर अंकुश

संसद बात करने की जगह है। इसे बात करने की जगह बने रहना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो संसद पर कलंक लग जाएगा। यह मानना गलत है कि संसद का काम केवल विधेयक पारित करना है। एक संसदीय प्रणाली में, कार्यकारी सरकार को हमेशा लोकसभा में बहुमत वाला माना जाता है। इसलिए, कानून पारित करने का प्रावधान संसदीय प्रणाली में किया गया है। हालांकि, अगर कानून बहस के बिना पारित किया जाए, तो यह संदिग्ध होगा। बहस के जरिए ही संसद द्वारा पारित विधेयक को वैधता मिलती है।

संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर, 2023 को शुरू हुआ था। इसे 21 दिसंबर को समाप्त होना था। सरकार ने महत्त्वपूर्ण विधेयकों को पारित करने सहित महत्त्वपूर्ण एजंडे रखे। विपक्ष ने बहस के लिए मुद्दों की एक लंबी सूची रखी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को आश्वासन दिया कि वे संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करेंगे। पीठासीन अधिकारियों ने अपनी पारंपरिक बातें रखीं और दोनों सदनों में शांति से सत्र शुरू हुआ।

एक सप्ताह से अधिक समय तक दोनों सदनों में कामकाज हुआ और विधेयक पारित किए गए। महुआ मोइत्रा को लोकसभा से अनुचित रूप से निष्कासित कर दिया गया था। यह काफी विस्मयकारी था, लेकिन इससे व्यवधान पैदा नहीं हुआ।राज्यसभा में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर लंबी चर्चा हुई। मैंने माननीय वित्त मंत्री से एक प्रश्न पूछने के साथ अपना भाषण समाप्त किया। उनके जवाब ने मुझे हैरान कर दिया। मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि उन्होंने क्या कहा या क्या उनके कहने का मतलब यह था और मैं अर्थशास्त्र या अंग्रेजी या दोनों की समझ की कमी के लिए खुद को दोषी ठहराता हूं।

सुरक्षा में चूक: सांसदों ने 13 दिसंबर को वर्ष 2001 में संसद पर हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उस दिन दोनों सदनों में काम हो रहा था। दोपहर एक बजे से कुछ पहले दो लोग लोकसभा की दर्शक दीर्घा से कूद गए और रंगीन गैस के कनस्तर खोल दिए। वे बहुत कुछ बुरा कर सकते थे। वहां हंगामा और भ्रम की स्थिति थी। जल्दी ही, सांसदों ने दोनों लोगों को काबू में कर लिया और मार्शल उन्हें वहां से ले गए। यह सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन था। कुछ ही घंटों के भीतर, यह पता चल गया कि कर्नाटक के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा, जो अपने दक्षिणपंथी विचारों के लिए जाने जाते हैं, द्वारा दो च्आगंतुकोंज् को पास के लिए अनुशंसित किया गया था। (अगर वह कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस या सपा से संबंधित होते तो भगवान भी उनकी रक्षा नहीं कर सकते थे।)

अगले दिन, जैसा कि अपेक्षित था, विपक्ष ने माननीय गृह मंत्री से भीषण उल्लंघन पर एक बयान की मांग की। उम्मीद की जा सकती थी कि सरकार स्वत-संज्ञान लेते हुए बयान देगी, लेकिन जोरदार मांग के बाद भी सरकार ने बयान देने से मना कर दिया। यह स्वाभाविक रूप से एक हंगामा और निरंतर व्यवधान का कारण बना।

मिसालें: एक साधारण से बयान में स्वीकार किया गया कि सुरक्षा का उल्लंघन गंभीर था, एक मामला दर्ज किया गया, जांच चल रही है, और उचित समय पर एक और बयान दिया जाएगा। अनजाने कारणों से कोई आधिकारिक बयान नहीं था, कोई चर्चा नहीं थी, कुछ भी नहीं था। सरकार ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया और झुकने से इनकार कर दिया। मिसालें इसके विपरीत थीं। जब गुरुवार, 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर हमला हुआ था- सरकार की ओर से संसद में विदेश मंत्री ने 18 दिसंबर को एक बयान दिया;संसद में 18 और 19 दिसंबर को चर्चा हुई; गृहमंत्री आडवाणी ने 18 और 19 दिसंबर को बयान दिए; औरप्रधानमंत्री वाजपेयी ने संसद में 19 दिसंबर को वक्तव्य रखा। पुन-जब 26-29 नवंबर, 2008 को मुंबई पर आतंकवादी हमला हुआ, 11 दिसंबर, 2008 को शीतकालीन सत्र के पहले दिन गृह मंत्री (पी चिदंबरम) ने लोक सभा में एक विस्तृत वक्तव्य दिया और यही वक्तव्य राज्य सभा में राज्य मंत्री ने दिया।दोनों सदनों में गंभीर चर्चा हुई।

कोई बहस नहीं, कोई चिंता नहीं: इस बार तमाम उदाहरणों के बावजूद, सरकार ने एक संदिग्ध तर्क के पीछे आड़ ली कि माननीय अध्यक्ष संसद की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे और जब तक जांच रपट प्राप्त नहीं हो जाती, सरकार कोई बयान नहीं देगी।इसके अलावा, माननीय प्रधानमंत्री और माननीय गृह मंत्री कई दिनों तक दोनों सदनों से दूर रहे, जबकि माननीय गृह मंत्री ने एक टीवी चैनल से इस विषय पर विस्तार से बात की।

संसद के शीतकालीन सत्र का विघटन स्पष्ट रूप से सरकार के लिए कोई चिंता का विषय नहीं था। जब विपक्षी सदस्यों ने दोनों सदनों को बाधित किया, तो सरकार को सांसदों के निलंबन के लिए आगे बढ़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। 20 दिसंबर को जब सत्र समय से पहले समाप्त हुआ, तब तक दोनों सदनों के अभूतपूर्व 146 सांसदों को निलंबित किया जा चुका था।

निलंबन की दैनिक रस्म के बीच, सदनों ने बिना किसी सार्थक बहस के 10/12 विधेयक पारित किए, जिनमें शामिल हैं आइपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए तीन विवादास्पद विधेयक। सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि ऐसा लगता है कि सरकार यह सोचती है कि एक बाधित और गैर-कार्यात्मक संसद का देश के शासन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में, मेरा डर बढ़ गया है कि भारत की संसद अप्रासंगिक हो जाएगी और कई च्लोगोंज् की संसदों की तरह हो जाएगी, जो आज्ञा का पालन किया करेंगे। शीतकालीन सत्र 2023 के विघटन ने मेरे संदेह और भय को गहरा कर दिया है। फिर भी उम्मीद बनी हुई है, और मैं आपको नए साल की शुभकामनाएं देता हूं!

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

धरती की सुरक्षा निहित है श्रीराम के प्रकृति-प्रेम में

ललित गर्ग

अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही श्रीराम के इस पांच सौ वर्ष के टेंटवास के वनवास से स्व-मन्दिर में स्थापित होने की घटना वास्तविक दीपावली एवं खुशी का अवसर है, जिससे भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति को श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा, स्वयं को श्रीराममय एवं प्रकृतिमय बनाना होगा। श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है।

भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है।

भारतीय समाज का तानाबाना दो महाकाव्यों रामायण एवं महाभारत के इर्द-गिर्द बुना गया है। इनमें जीवन के साथ मृत्यु को भी अमृतमय बनाने का मार्ग दिखाया गया है। इनमें सशरीर मोक्ष मार्ग के अद्भुत एवं विलक्षण उदाहरण हैं। रामायण में प्रभु श्रीराम चलते हुए सरयू नदी में समा जाते हैं और महाभारत में युधिष्ठिर हिमालय को लांघकर मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इन दोनों ही घटनाओं में महामानवों ने मृत्यु का माध्यम भी प्रकृति यानी नदी एवं पहा? को बनाकर जन-जन को प्रकृति-प्रेम की प्रेरणा दी है। लेकिन हम देख रहे हैं कि आज हमने मोक्षदायी नदी और पहाड़ों की ऐसी स्थिति कर दी है कि वहां मोक्ष तो क्या जीवन जीना भी कठिन हो गया है। क्या हम नदियों एवं पहाड़ों को मोक्षदायी का सम्मान पुनः प्रदान कर पाएंगे। यह हमारे जमाने का यक्षप्रश्न है जिसका उत्तर देने श्रीराम और युधिष्ठिर नहीं आएंगे, लेकिन हमें ही श्रीराम एवं युधिष्ठिर बन कर प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा।

आज संपूर्ण विश्व में नदियों, पहाड़ों, प्रकृति के प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरित किया।

भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष था जिसके नीचे बैठकर श्रीराम-सीता भक्ति आराधना करते थे। अनेक स्थानों पर तुलसीदासजी एवं वाल्मीकिजी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित किया है। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। मजबूत जड़ों वाले फल तथा फूलों से लदे वृक्ष पूरे क्षेत्र में फैले हुये थे। श्रीराम के राज्य में वृक्षों की जड़ें सदा मजबूत रहती थीं। वे वृक्ष सदा फूलों और फलों से लदे रहते थे। मेघ प्रजा की इच्छा और आवश्यकता के अनुसार ही वर्षा करते थे। वायु मन्द गति से चलती थी, जिससे उसका स्पर्श सुखद जान पड़ता था। इसलिए जो कुछ हम सब रामायण से समझ पाते हैं, वह ही मनुष्य के जीवन जीने की सनातन परंपरा है। वही परंपरा ही हम सबको यह बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है।

हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, प्रकृति-प्रेम को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, सर्वोत्तम चेतना के शिखर है, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। प्रभु श्रीराम ने तो प्रकृति के संतुलन के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। प्रकृति के कण-कण की रक्षा के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और प्रकृति एवं पर्यावरण के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। प्रकृति को बचाने के लिये संयमित रहना और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते।

प्रकृति, पर्यावरण और प्रगति के मध्य अन्तः सम्बन्ध है जिनके प्रति मानवीय दृष्टिकोण सांस्कृतिक विरासत एवं श्रीराम के जीवन से निर्मित एवं विकसित होता है और इस संदर्भ में भारतीय हिन्दू संस्कृति की वैश्विक भूमिका प्राचीनकाल से ही मानी गयी है। बाल्मीकि रचित रामायण से लेकर तुलसीदास रचित रामचरित मानस में प्रकृति चित्रण, पर्यावरण संचेतना, पर्यावरण संरक्षण का विस्तृत उल्लेख किया गया है। वास्तव में हिन्दू धर्म एक विशिष्ट पूजा पद्धति, आस्था तक ही सीमित नहीं है वरन जैसा कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी हिन्दू धर्म को परिभाषित करते हुए कहा है कि हिन्दूधर्म एक जीवनशैली है। हिन्दू धर्म की इस जीवनशैली में धर्म तथा पर्यावरण में सह-सम्बन्ध माना गया है। जिसके अन्तर्गत पर्यावरण प्रकृति के साथ मानव द्वारा उचित, संवेगात्मक, संवेदनात्मक एवं सामन्जस्यपूर्ण सम्बन्ध निभाना ही उसका धर्म है। पृथ्वी को धरती माता के रूप में पूजित माना गया तथा सूर्य, जल, वायु, वृक्ष, अग्नि सभी को देवता मानकर पूजनीय माना गया। केवल यही नहीं विभिन्न देवी-देवताओं के वाहक के रूप में विभिन्न पशु-पक्षियों की भी आराधना की पद्धति विकसित की गयी। जल, वायु को दूषित करना, वृक्षों का अनावश्यक रूप से काटने को पाप माना जाता था क्योंकि उस समय ऋषि, मुनियों को पर्यावरण के इन महत्त्वपूर्ण घटकों के महत्त्व का ज्ञान था। तत्त्कालीन भारतीय सामाजिक जीवन में पर्यावरणीय तत्त्वों के साथ सामंजस्य की भावना धर्म से जुड़ी हुई थी।

रामराज्य वन क्षेत्रों से भरा था। सभी वृक्ष हरे-भरे पुष्प तथा फल सम्पन्न थे। समृद्ध वन में वन्यजन्तु स्वाभाविक रूप से रहा करते थे। सभी वन्यजीव ऐसे वन क्षेत्र में प्रफुल्लित थे। शेर, हाथी, विविध प्रकार के रंग-बिरंगे पक्षी तथा विभिन्न प्रजातियों के हिरण आदि जीवन को जीवन्त बनाया करते थे। रामराज्य में सभी जीव-जन्तु प्रसन्न मन से अपना स्वाभाविक जीवन जीते थे। प्रकृति के किसी भी अवयव से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जाती थी। वन क्षेत्रों की कमी से ईंधन एवं चारा की विकट समस्या उत्पन्न होती है। ग्रामीण क्षेत्र ईंधन एवं चारा की कमी से बुरी तरह से प्रभावित होते हैं। चारे की कमी से दूध-दही का उत्पादन घटता है जो मानव जीवन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। पशु-पक्षियों के शिकार एवं व्यापार से सृष्टि-संतुलन बिगड़ता है। रामराज्य में ईंधन एवं चारा की कमी नहीं थी, गाय को पूजनीय एवं माता माना जाता था इसलिये गाय पर्याप्त मात्रा में दूध देती थी- मनभावतो धेनु स्रवहीं।

आज इक्कीसवीं शताब्दी में पर्यावरण प्रदूषण के रूप में मानव जाति के अस्तित्त्व को ही चुनौती प्रस्तुत कर दी है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, रेडियो एक्टिव प्रदूषण, ओजोन परत में छिद्र, अम्लीय वर्षा इत्यादि का अत्यन्त विनाशकारी स्वरूप बुद्धिजीवी, विवेकशील, वैज्ञानिकों की चिन्ता का कारण बन चुके हैं। जब मनुष्य पृथ्वी का संरक्षण नहीं कर पा रहा तो पृथ्वी भी अपना गुस्सा कई प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखा रही है। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। निश्चित ही इन सभी समस्याओं का समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम में मिलता है, श्रीराम के मन्दिर का उद्घाटन निश्चित ही रामराज्य की स्थापना की ओर अग्रसर होने का दुर्लभ अवसर है, इस अवसर पर हमें श्रीराम के प्रकृति-संरक्षण की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए देश ही नहीं, दुनिया की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं सृष्टि-असंतुलन की समस्याओं से मुक्ति पानी चाहिए।

यह लेखक के अपने विचार हैं।

नर्मदापुरम में सट्टे का कारोबार जोरों पर, बंगाली कॉलोनी में प्रतिदिन लिखा जाता है लाखों का सट्टा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बाबू और बाबाओ की नगरी में अधिकांश नागरिक मिडिल क्लास के हैं. लोभ और लालच से जकड़े अधिकांश लोगों के मन में कम लागत से अधिक धन कमाने की लालसा अकसर बनी रहती है. इसी प्रवृत्ति के चलते नर्मदा नगरी में सट्टे का कारोबार विगत कई सालों से फल फूल रहा है. ऐसा नहीं कि यहाँ कभी किसी अधिकारी ने इस पर नियंत्रण न किया हो. कई तेज तर्रार अधिकारी आए जिन्होंने सट्टे को जड़ मूल से नष्ट करने का कारगर उपाय किया. लेकिन धीरे-धीरे इसकी जडें फिर से जमने लगी और आज स्थिति इतनी विकराल हो गई है कि इस पर काबू पाना मुश्किल है।

इन दिनों नगर के बंगाली कॉलोनी इलाके में एक जिला बदर अपराधी द्वारा जिस धड़कने से सट्टे का कारोबार किया जा रहा है वह किसी हैरत अंग्रेज कारनामे से कम नहीं है।इस सटोरिया ने एक दर्जन दहाड़ी कर्मचारी इस काम में लगा रखे हैं. जो सैकड़ो सट्टे खिलाड़ियों को मेंटेन करते हैं. सूत्रों की माने तो बंगाली कॉलोनी में प्रतिदिन रू.500000 से अधिक का सट्टा खिलाया जाता है। जिस जिला बदर अपराधी के द्वारा यह कारोबार संचालित हो रहा है. वह लुक-छुपकर इस कारोबार को देखने आता रहता है.बताया जाता है कि इसके परिवार के वरिष्ठ लोग भी इस कारोबार को संचालित करने में खूब मदद करते हैं।

बंगाली कॉलोनी में पहले एक और सटोरिया का कारोबार चलता था. जिसे पुलिस की धर पकड़ से तहस नहस होना पड़ा. सट्टे की लीला को नया रूप देने के लिए प्रियतम की गली में नगर के अन्य इलाकों के सटोरिया भी सट्टा खेलने आते हैं।

विधायक डॉ शर्मा ने विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को किया हितलाभ वितरित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विकसित भारत संकल्प यात्रा गुरुवार को नर्मदापुरम नगर पहुंची। विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में सेठानी घाट के पास तिलक भवन नर्मदापुरम और मालखेड़ी चक्कर रोड पर हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर में कलश यात्रा निकालकर संकल्प यात्रा का उत्साह पूर्वक स्वागत किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा सहित अन्य पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियों से किया गया। इसके बाद विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही जिसमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ,आयुष्मान योजना एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने मंच पर आकर अपनी सफलता की कहानी बयां की। कार्यक्रम में विधायक डॉ शर्मा द्वारा विभिन्न योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किया गया।

हितलाभ वितरण कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया। कार्यक्रम में कृषि, स्वास्थ्य, पेंशन, श्रम, पंचायत, राजस्व इत्यादि विभागों द्वारा योजनाओं संबंधित स्टॉल भी लगाए गए। जहां ग्रामीणों ने योजना से संबंधित जानकारी प्रदान की गई और आवेदन भी लिए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधि और हितग्राहियों ने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया।

कलेक्टर ने की विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

नल जल, प्रधानमंत्री उज्जवला योजनाओं में शेष बचे हितग्राहियों को लाभांवित करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री मीना ने गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा सहित विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। बताया गया की जिले में संकल्प यात्रा के तहत अभी तक जिले की 421 ग्राम पंचायतों में से 209 ग्राम पंचायतों और सिवनीमालवा और इटारसी नगरपालिका में हितलाभ कार्यक्रम वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। जिनमें लगभग 111308 व्यक्ति शामिल हुए हैं। अभी तक प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के 3674 एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 1901 हितग्राहियों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। स्वास्थ्य कैंप में अभी तक 20874 व्यक्तियों की जांच की गई हैं। जिसमें 7804 टीबी और 3043 की सिकल सेल एनीमिया की जांच की गई हैं। कलेक्टर सुश्री मीना ने सीएमएचओ को कार्ययोजना बनाकर चिन्हित मरीजों को उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि जिले में लगभग 91 प्रतिशत हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया जा चुका हैं। कलेक्टर ने शेष हितग्राहियों को भी शीघ्र कार्ड का वितरण कराने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा कर कलेक्टर सुश्री मीना ने स्वीकृत नलजल योजनाओं के कार्य गुणवत्तापूर्ण रुप से समय पर पूर्ण कराने के निर्देश कार्यपालन यंत्री पीएचई को दिए। उन्होंने ई पीएचई को निर्देशित किया कि मासिक लक्ष्य निर्धारित कर नल जल योजनाओं के कार्य तेजी से किए जाएं। रेस्टोरेशन के कार्य भी समय पर कराएं।कलेक्टर सुश्री मीना ने लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, एमपीआरडीसी आदि निर्माण विभागों के अन्तर्गत सीएम राइज स्कूल निर्माण, स्वीकृत एवं प्रगतिरत आरओबी परियोजनाएं, स्वीकृत सड़क और पुल निर्माण कार्य, मजबूतीकरण एवं विशेष मजबूतीकारण, 5 करोड़ से अधिक के लागत कार्यों इत्यादि निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण विभाग प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यों के प्रत्येक चरण को पूर्ण करने की टाइमलाइन सेट करें। उसी आधार पर निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाएं।

स्वीकृत कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं।नगरीय प्रशासन विभाग अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन, नवीन लैंडफिल परियोजनाएं, उपयोगिता जल प्रबंधन, पार्क निर्माण, पीएम आवास योजना शहरी, नर्मदालोक की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत कार्यों में शीघ्र निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा, पीएम आवास ग्रामीण की समीक्षा कर प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री मीना ने एमपीईबी अंतर्गत विद्युत आपूर्ति की अवधि, विद्युत ट्रांसफार्मर की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने और खराब हुए ट्रांसफार्मर समय पर बदलने के निर्देश दिए। बैठक में राजस्व विभाग अंतर्गत राजस्व प्रकरण, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री आवासीय भू अधिकार योजना, धारणाधिकर योजना आदि की समीक्षा की। उन्होंने पटवारियों के ड्यूटी लगाकर स्वामित्व योजना के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भू अधिकार योजना और धारणाधिकर योजना के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान कार्ड, गर्भवती महिलाओं का चेकअप व्यवस्थित रूप से करें

स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर कलेक्टर ने फील्ड लेवल पर जनपद सीईओ और बीएमओ की ज्वाइंट बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि आशा और एएनएम को सक्रिय कर आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रगति लाएंद्य गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप व्यवस्थित रूप से की जाएं। उन्होंने खाद्य विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में शेष बचे लक्षित हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों के ईकेवाईसी शीघ्र पूर्ण कराएं। कलेक्टर ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री बाल आरोग्यम संवर्धन योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग, शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस एस रावत, संयुक्त कलेक्टर फरहीन खान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय चुनाव आयोग से संसदीय क्षेत्र का नाम बदलने की मांग

नर्मदापुरम नरसिंहपुर करने की मांग

सिवनी मालवा। होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा का नाम बदलकर नर्मदा पुरम नरसिंहपुर किए जाने की मांग भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष पारीक द्वारा केन्द्रीय चुनाव आयोग नई दिल्ली व मध्यप्रदेश चुनाव आयोग भोपाल से की है। पूर्व अध्यक्ष संतोष पारीक ने बताया कि हमारे लोकसभा क्षेत्र को नरसिंगपुर-होशंगाबाद लोकसभा (29) के नाम से जाना जाता है।

की किन्तु हमारे क्षेत्र की मान्यता औरआस्था के अनुसार भारत सरकार और प्रदेश सरकार ने हमारे इस जिले का नाम होशंगाबाद से परिवर्तन कर नर्मदापुरम कर दिया है लेकिन लोकसभा क्षेत्र को अभी भी नरसिंगपुर-होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के नाम से जाना जा रहा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है की लोकसभा क्षेत्र का नाम नरसिंगपुर होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र से बदलकर नर्मदापुरम-नरसिंगपुर संसदीय क्षेत्र किया जाए। जो कि प्रदेश सरकार के बजट में भी नर्मदा पुरम जिला घोषित हो चुका है।

बारिश के चलते खरीदी केंद्रों पर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में बारिश को ध्यान में रखते हुए नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार खरीदी केंद्रो पर धान की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। उपायुक्त सहकारिता श्री शिवम मिश्रा ने बताया कि गोदाम स्तरीय केंद्रों के अतिरिक्त विशेषकर बनखेड़ी और पिपरिया में स्थित ऐसे केंद्र जो खुले में है। वहां ट्रक वाहनों की संख्या बढ़कर खुले में रखी स्कंध को गोदाम में रखे जाने और मिलिंग के लिए भेजने की कार्यवाही की गई है। ऐसे प्रत्येक केंद्रों पर 10 से 12 वाहनों की संख्या बढ़ाई गई है। साथ ही खुले में रखी धान को व्यवस्थित रूप से स्टेगिंग कर प्लास्टिक से कवर किया गया हैं।

उल्लेखनीय है कि नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा बुधवार सुबह कलेक्ट्रेट कार्यालय में उपार्जन संबंधी अधिकारियों के साथ धान खरीदी की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश की स्थिति को ध्यान में रखते हुए खरीदी केंद्रो पर सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला उपार्जन समिति द्वारा आज बनखेड़ी में गायत्री वेयरहाउस , सीताभोज वेयरहाउस, सेमखेडा, सुरेलारंधीर केंद्र का भ्रमण किया गया। बारिश को ध्यान में रखते हुए केंद्रो पर आवश्यक व्यवस्था की गई। सीताभोज वेयरहाउस पर 4000 बोरी बिना सिली पाए जाने पर सिलाई के लिए अतिरिक्त मशीन की व्यवस्था करवाई गई।

आर टी ओ ने दिए आवश्यक निर्देश...

आरटीओ द्वारा बसों की जांच का क्रम जारी, 15 चालान से 12500 वसूले

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को आरटीओ श्रीमति निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ विभाग के जांच दल द्वारा नर्मदापुरम जिले के विभिन्न मार्गो पर सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमे जांच दल द्वारा बसों में मेडिकल बॉक्स, अग्निशमन, वाहन के दस्तावेज चेक किए, आपातकालीन खिड़की पर सीट पाए जाने पर सीटों को जप्त कर आरटीओ कार्यालय में रखा गया, अन्य 65 वाहनों की सघन जांच करने पर जांच में कमी पाए गए 15 बसों पर 12500 रुपए की चालानी की गई, बस संचालकों को अपने - अपने वाहनों के सामने रेडियम से गाड़ी के बीमा, फिटनेस, परमिट तथा पीयूसी की जानकारी लिखवाने के निर्देश दिए जा रहे है तथा सभी वाहन चालकों को 15 जनवरी के पहले वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (HSRP) लगाने की जानकारी दी जा रही है,

15 जनवरी के बाद आरटीओ जांच दल द्वारा की जाने वाली चालानी कार्यवाही से बचा जा सकें, आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान ने बताया कि जब तक नर्मदापुरम जिले की शहरी तथा ग्रामीण मार्गो पर चलने वाली प्रत्येक बसों की जांच तथा उनमें पाई जाने वाली कमियों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक आरटीओ जांच दल द्वारा बसों पर चालानी, जप्ति तथा फिटनेस, परमिट निरस्त की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर

इस संबंध में गृह विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये

जन समुदाय को शीत लहर के प्रकोप से बचाने के लिए प्रशासन ने की एडवायजरी जारी

रायसेन, दोपहर मेट्रो

भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी अनुमान के अनुसार शीतकालीन मौसम में प्रदेश के अधिकांश भागों में सामान्य से न्यूनतम तापमान होने की संभावना है। अतरू सभी जिला प्राधिकरणों तथा संबंधित सभी विभागों द्वारा प्रदेश में संभावित शीत लहर (शीतघात) के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुये इससे होने वाली क्षति को कम करने के लिये विभागीय एवं जिला स्तर पर सभी आवश्यक कदम उठाए जायें। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला शीत लहर (शीतघात) कार्य योजना तैयार की जाये। प्रत्येक स्तर (जिला, तहसील, ब्लॉक, विभाग) पर शीत लहर प्रबंधन के लिये एक नोडल अधिकारी नामांकित किया जाये। भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा जारी शीत लहर चेतावनी को जिला कमांड और नियंत्रण केन्द्र के माध्यम से जन सामान्य तथा संबंधित विभागों तक पहुँचाने के लिये आवश्यक व्यवस्था की जाये।

शीत लहर से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों से संबन्धित सुझाव का प्रचार प्रसार होर्डिंग तथा प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, स्थानीय केबल टीवी नेटवर्क, एफएम, सामुदायिक रेडियो से किए जाने की व्यवस्था की जाये। बेघर/

प्रभावित लोगों को आश्रय गृहों में स्थानांतरित किया जाये। बेसहारा एवं बेघर व्यक्ति सड़क / मैदान में पाये जाने पर अलाव की व्यवस्था की जाये। स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से कम्बलों की व्यवस्था कर उन्हें वितरित किया जाये। स्कूल तथा शैक्षणिक संस्थाओं का कार्य समय, भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा शीत लहर से संबन्धित दी गई चेतावनी अनुसार आवश्यकतानुसार एवं विधिवत स्कूल खुलने के समय में परिवर्तन करने हेतु आवश्यक आदेश जारी किए जायें। जिले में स्थित सभी शासकीय अस्पतालों में शीत लहर प्रभावितों के उपचार के लिये विशिष्ट कार्य योजना बनाई जाये।

शीतलहर से पहले क्या करें

सर्दियों के कपड़े पर्याप्त मात्रा में रखें। कपड़ों की कई परतें पहनना भी लाभदायक रहता है। आपातकालीन आपूर्तियों के लिए सभी जरूरी सामान तैयार रखें।

शीतलहर के दौरान क्या करें

जितना संभव हो, घर के अंदर रहें। ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। अपने शरीर को सुखाकर रखें। यदि कपड़े गीले हो जाएँ, तो उन्हें तुरंत बदलें। इससे शरीर की उष्मा बनी रहेगी। मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। नियमित रूप से गर्म पेय पिएं। बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ख्याल रखें। शीतदंश के लक्षणों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, कानों की लोब और नाक की नोक पर सुन्नता, सफेदी या पीलेपन के प्रति सजग रहें। शीतदंश से प्रभावित हिस्से की मालिश न करें। इससे अधिक नुकसान हो सकता है। शीतदंश से प्रभावित शरीर के हिस्सों को गुनगुने पानी में डालें। कंपकंपी को नजरअंदाज न करें- यह एक महत्वपूर्ण अग्रिम संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। कंपकंपी महसूस होने पर तुरंत घर लौटें।

शहर में शीत लहर ने बढ़ाई मुश्किलें कड़ाके की सर्दी सितम हुआ प्रारंभ

सूर्य देवता के नहीं हो रहा है दर्शन ,मौसम खराब होने से सबकी बड़ी चिंताएं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले चार दिनों से मौसम में बदलाव के बाद 2 दिन पहले बारिश होने के बाद कड़ाके की सर्दी का दौर प्रारंभ हो गया है। घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है रात का तापमान 5-6 डिग्री करीब पहुंच रहा है। इस वजह से दिन में भी बाजार में सन्नाटा छाया हुआ है सूर्य देवता के दर्शन नहीं होने से सर्दी का कर और भी ज्यादा परेशानी बढ़ गई है । साथ ही दो दिनों से शीतलहर भी चल रही है । इस वजह से कब पापा देने वाली सर्दी ने सभी की मुश्किलें बड़ा रखी है। ठंड से बचने के लिए लोग सभी तरह के जतन कर रहे हैं फिर भी ना काफी साबित हो रहे हैं दिन भर लोग आग जलाकर हाथ सकते हुए नजर आते हैं। शीत लहर के कारण दो पहिया वाहन चालकों को वाहन चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से सड़कों पर कम संख्या में दो पहिया वाहन नजर आ रहे हैं? पशुओं के साथ लावारिस रूप से रहने वालों के अलावा गरीब वर्ग के लोगों को सर्दी के सितम के कारण और भी परेशानी झेलनी पड़ रही है

।रात में ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों की कमी इनको परेशानी में डाल रही है। दूसरी ओर नगर पालिका के द्वारा बेसहारा लोगों को रहने के लिए व्यवस्था कर दी पर गरीब वर्ग के पास कोई व्यवस्था नहीं इस वजह से उनकी हालत खराब हो रही है ।

दिन में भी रात जैसा नजारा

मौसम खराब होने के कारण दिन में भी अंधेरा छाया रहता है शाम के जैसा नजारा दिन में देखने को मिल रहा है। वही बारिश के बाद कोहरे का प्रकोप भी जारी है। शीतलहर के कारण सबसे बड़ी चिंता किसानों के माथे पर दिखाई दे रही है। बारिश कम होने के कारण वैसे ही किसानों ने बड़ी मुश्किल से व्यवस्था करके फसल ने लगाई है उन्हें पानी की व्यवस्था की है ,इस बीच इस तरह की सर्दी पढ़ने से फसलों को भी नुकसान होने की संभावना बढ़ गई है। सूर्य देवता के दर्शन नहीं होने से फसली सूखने लगी हैं कई फसले तो पीली भी पड़ रही है। दूसरी ओर रात में पाला पड़ने की संभावना भी रहती है जिस रात में शीतलहर रुक गई उसी रात उस क्षेत्र के किसानों की फसले चौपट हो जाती हैं । सबसे नुकसान मंसूर तेवड़ा ,चने की फसल को होता है। इसके अलावा सब्जी भी प्रभावित हो सकती हैं। एवं गेहूं की फसल में भी अधिक ठंड से नुकसान होने की संभावना किसानों ने जाहिर की है। मौसम विभाग के द्वारा 10 जनवरी तक मौसम तरह का रहने का अनुमान जताया है ।

घरों में रहने की दी जा रही है सलाह

कड़ाके की सर्दी के कारण बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी होती है इस वजह से डॉक्टर के द्वारा बुजुर्गों को घरों में ही रहने की सलाह दी जा रही है। साथ ही सर्दी से बचने के लिए सभी उपाय करने के बाद ही लोग घरों से आवश्यकता होने पर ही निकले क्योंकि अधिक सर्दी होने के कारण सर्दी जुकाम के साथ निमोनिया आदि बीमारी होने का खतरा अधिक होता है। जिन लोगों को निमोनिया की बीमारी है खासतौर पर ऐसे लोग अपने-अपने घरों में ही रहे तथा गर्म कपड़ों का उपयोग करें बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले।

इनका कहना है

सर्दी के प्रकोप के कारण श्वास निमोनिया हृदय गति की बीमारी से पीड़ित लोगों को ज्यादा नुकसान होने की संभावना होती है लिए ऐसे लोग अपने-अपने घरों में रहे आवश्यकता होने पर ही घरों से निकले सर्दी से बचाव के सभी उपाय करें ।

डॉक्टर संजीव माथुर

विधायक ने निर्माण कार्यों का जायजा लेकर, गुणवत्ता युक्त निर्माण करने के निर्देश दिए

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा दूसरी पारी में क्षेत्र के विकास पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। किसी भी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है तथा लापरवाही से काम करने वाले अधिकारियों को खूब-खरी-कोटी भी सुनाई जा रही है। दूसरी ओर हर गतिविधि के साथ निर्माण कार्यों पर भी ध्यान दिया जा रहा है । गुरुवार को नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर हो रहा है निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा पहुंचना है। उन्होंने नीलकंठेश्वर मंदिर सहित शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर हो रहा है निर्माण कार्यों को बारीकी से देखा इसके बाद नगर पालिका सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए समय सीमा में सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

नगर पालिका ने चलाया वार्ड 3 में विशेष सफाई अभियान

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर को साफ स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया गया इसके तहत गुरुवार को वार्ड क्रमांक 3 के रेहदास पथ आदि क्षेत्रों में नगर पालिका के सफाई कर्मियों ने विशेष रूप से साफ सफाई करते हुए नालियों की साफ सफाई करके उनमें से निकली गंदगी को बाहर निकाल कर नगर पालिका कचरा गाड़ी से उसको टचिंग ग्राउंड में डलवाया जा रहा हैं पुरानी नालियों की भी सफाई की जा रही है जिनालियों को लोगों ने अपने कब्जे में कर रखा है उनको जेसीबी से तोड़कर साफ किया जा रहा है ।इसके बाद मच्छरों तथा बीमारियों के प्रकोप से बचाव के लिए दवा का छिड़कावी नगर पालिका के द्वारा की जा रहा है ।इस दौरान नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैन आदि स्वयं खड़े होकर अभियान के तहत साफ-सफाई करवा रहे हैं ।क्योंकि विधायक ने अभियान को धरातल पर पूरी ईमानदारी से करने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीब हितग्राहियों को मिली पक्की छत: विधायक

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विकसित भारत संकल्प यात्रा तहत विदिशा जनपद पंचायत के ग्राम करारिया सतपाड़ा एवं ग्राम पंचयात कांकर खेड़ी पहुंची। सर्वप्रथम जनप्रतिनिधियों ने मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जनप्रतिनिधियों द्वारा केंद्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई। विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि देश के गरीब वर्ग और अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति तक योजनाओ का लाभ पहुंचे। इसी को लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। आज हमारे बीच गारंटी रथ आया है जो पूरे विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है। विधायक ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से देश भर में कच्चे मकान में रहने वाले हितग्राहियों को लाभान्वित कर पक्का मकान बनाने का कार्य किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, आजीविका मिशन, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्टॉल भी लगाए गए। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम स्थल पर विकसित भारत संकल्प यात्रा तहत निर्धारित प्रारूप की शपथ का वाचन भी कराया गया तथा हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण भी किया गया। साथ ही जिले को आवंटित आई.ई.सी वैन प्रचार रथ के माध्यम से विकसित भारत संकल्प वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया। जिसे ग्रामीण जनों के द्वारा देखा हुआ सुना गया। इस दौरान विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष वीरसिंह रघुवंशी, धनराज दांगी, समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण व ग्रामीण जन मौजूद रहे।

कार्यालय थाना प्रभारी बागसेवनिया जिला भोपाल

मर्ग क्र. 23/2022 धारा- 174 जा. फौ.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19.04.2022 को एक अज्ञात पुरूष उम्र लगभग 50-55 साल का आर.आर.एल. देशी कलारी के पीछे हबीबगंज के पास मृत अवस्था में मिला है। इसकी हुलिया दुबला पतला नीला पेन्ट सफेद शर्ट पहने हुए है जो देखने में पन्नी बीनने वाला प्रतीत हो रहा है। जिसका थाना बाग सेवनिया में मर्ग क्र. 23/2022 धारा 174 जा. फौ. कायम कर जांच में लिया गया है।

अतः मर्ग सदर में अज्ञात मृतक पुरूष के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर थाना बाग सेवनिया भोपाल को सूचित करने का कष्ट करें।

जांचकर्ता- मो. 7049105491
थाना प्रभारी बागसेवनिया मो. 9479990533
थाना बागसेवनिया मो. 9479990539

थाना प्रभारी
थाना बागसेवनिया
जिला, भोपाल

G-22553/23

कार्यालय थाना प्रभारी बागसेवनिया जिला भोपाल

मर्ग क्र. 26/2022 धारा- 174 जा. फौ.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 29.05.2022 को एक अज्ञात पुरूष उम्र लगभग 40-50 साल का एम्स रोड किनारे झाड़ी के पास बागसेवनिया में मृत अवस्था में मिला है। इसकी हुलिया बदन कमर पर एक हाफ चड्ढा पहने हुए है इसके अलावा कोई कपड़ा नहीं पहने है सीने व सिर के मांस गायब है। जिसका थाना बागसेवनिया में मर्ग क्र. 26/2022 धारा 174 जा. फौ. कायम कर जाँच में लिया गया है।

अतः मर्ग सदर में अज्ञात मृतक पुरूष के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर थाना बाग सेवनिया भोपाल को सूचित करने का कष्ट करें।

जांचकर्ता- मो. 7049105491
थाना प्रभारी बागसेवनिया मो. 9479990533
थाना बागसेवनिया मो. 9479990539

थाना प्रभारी
थाना बागसेवनिया
जिला, भोपाल

G-22528/23

मेला देखकर लौट रहे दो युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

हरदा जिले के रहटगांव थाना क्षेत्र के टेमागांव पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम नाँदवा के पास तेज रफ्तार बाइक ओर अज्ञात वाहन के बीच बीती रात जोरदार भिड़ंत हुई। जिसके चलते बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर हुई दर्दनाक मौत हो गई।

टेमागांव चौकी प्रभारी चंद्रमोहन मर्सकुले से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवकों की शिनाख्त अंकित पिता रामसिंह कोरकू उम्र 21 वर्ष, राजेश पिता गोपाल कोरकू उम्र 16 वर्ष निवासी शिवपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सांटई के गांगिया के रूप में हुई। रामगोपाल का साल का लड़का अंकित भी कुछ दिनों से गंगिया आया हुआ था। दोनों युवक सोडलपुर में लगे कान्हा बाबा मेला देखकर लौट रहे थे। लोटने के दौरान ही यह घटना हुई। दोनों मृतक युवकों के शव को टिमरनी पीएम हाउस रखवाया गया। परिजनों को सूचना दी गई। पोस्टमार्टम करा कर सव को परिजनों को सोपा गया।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली से बाइक की टक्कर होने का भी अंदेशा है।

6 जनवरी को होंगे अभिभाषक संघ के चुनाव, उम्मीदवार हुए सक्रिय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव 6 जनवरी को अभिभाषक संघ का निर्वाचन होगा इसके लिए अभिभाषक संघ के कक्षा में मतदान होगा। चुनाव सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रकाश शर्मा एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिभाषक संघ के चुनाव में पियूष चौरसिया सचिव, अख्तर खान एडवोकेट सह सचिव एवं कोषाध्यक रितेश अग्रवाल ने अपना नामांकन फार्म जमा किया था उनके विरोध में किसी भी अभिभाषक ने फॉर्म नहीं भरा है । अब अभिभाषक संघ अध्यक्ष कपिल त्यागी एडवोकेट एवं मोहम्मद शोएब खान के बीच अध्यक्ष पद को लेकर एवं राजू साहू एवं राजू श्रीवास्तव के बीच उपाध्यक्ष पद पर मतदान होना है चुनाव 6 जनवरी 2024 को 3~बजे तक मतदान होगा यह चुनाव वैलिड पेपर से संपन्न कराए जाएंगे 6 जनवरी को ही घोषणा शाम 5 बजे तक की जावेगी। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर दावेदार अपने-अपने विचार सक्रिय हो गए हैं और अभिभाषकों को अपने-अपने पक्ष में करने के लिए अपील भी कर रहे हैं संपर्क भी हो गया है। कपिल त्यागी वर्तमान में भी अध्यक्ष हैं इनके सामने शोएब खान ने अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी की है।

मेट्रो एंकर | जन अभियान परिषद कर्मचारी के वेतन का अधिकार...

जनपद कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं हैं: सीएमओ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अजीब बात है कि जिस जनपद पंचायत सिरोंज के कार्यालय में जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी को बैठ कर काम करने के आदेश जिला पंचायत विदिशा ने जारी किए हुए हैं वह कर्मचारी खाना पूर्ति के लिए जनपद कार्यालय में मात्र एक टेबिल और दो कुर्सी रखकर पिछले कई सालों से जनपद की सीडी नहीं चढ़ा और जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी बंदना शर्मा अपनी बेबसी यह कहते हुए दिखाती हैं कि जन अभियान परिषद के कर्मचारी के वेतन के आहरण और उसकी उपस्थिति का अधिकार जनपद पंचायत के पास नहीं है इसके कारण संबंधित कर्मचारी पर हमारा नियंत्रण नहीं है। जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी बंदना शर्मा ने स्पष्ट किया है कि परिषद के ब्लॉक समन्वयक द्वारा करीब एक साल पहले उनसे संपर्क करके अपने बैठने के लिए स्थान मांगा गया था जिसकी वजह से उन्हें जनपद कार्यालय में अपना कार्यालय स्थापित करने के लिए स्थान उपलब्ध करवाया गया परंतु एक टेबिल और दो कुर्सी रखकर परिषद के ब्लॉक समन्वयक जिस दिन से गए हैं वो फिर लौटकर नहीं आए और ना ही उन्होंने जनपद कार्यालय से कभी कोई दिशा निर्देश प्राप्त किए।

बंदना शर्मा ने बताया कि उक्त कर्मचारी तहसील स्तरीय बैठकों में कभी कभार मिल जाते हैं। लेकिन जनपद पंचायत कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराते।

जनपद में रखी मात्र आरक्षित कुर्सी को साल भर से ब्लॉक समन्वयक के बैठने का है इंतजार

अगर आप मैदानी अमले के अधिकारी है तो आप इत्मीनान से अपने घरों में रहकर अपनी पूरी नौकरी कर सकते हैं ब्लॉक स्तर पर पूछने वाला कोई अधिकारी नहीं। इस तरह की सोच जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी की है जो पिछले कई सालों से अपने जहन में इस तरह की सोच रखकर अपनी पांच साल से अधिक समय की नौकरी सिरोंज में कर चुके हैं और हैरत की बात है कि ब्लॉक समन्वयक द्वारा एसडीएम और जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समक्ष उपस्थिती दर्ज कराने में को रुचि नहीं होती। विकासखण्ड स्तर पर जितना भी मैदानी अमला कार्य करता है वो शासन के किसी भी निकाय या विभाग का ही क्यों ना हो उसे स्थानीय संबंधित विभाग या उसके समसामयिक विभाग में मैदान में तैनात और कार्यों से समय समय पर अधिकारियों को सूचित करना होता है। इस कारण से ही योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक को जनपद पंचायत कार्यालय की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समक्ष अपनी कर्तव्यनिष्ठा दर्शाना चाहिए।

642 गेंदों के रिकॉर्ड तोड़ 'टेस्ट' में घरेलू टीम 'फेल'

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे छोटे मैच में घरेलू टीम साउथ अफ्रीका फेल हो गई। टीम इंडिया ने 31 साल के इतिहास में पहली बार केपटाउन में कोई टेस्ट जीता है। रिकॉर्ड तोड़ यह मुकाबला सिर्फ 107 ओवर मतलब सिर्फ 642 मान्य गेंदों (नो और वाइड बॉल को छोड़कर) में खत्म हो गया। इससे पहले 656 गेंदों के सबसे छोटे टेस्ट मैच का रिकॉर्ड दर्ज था,जो मेलबोर्न के मैदान पर 1932 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया था।इस मैच में जहां घरेलू टीम ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की थी।गौरतलब बात यह है कि उस मैच में भी हारने वाली टीम साउथ अफ्रीका ही थी। टीम इंडिया ने केपटाउन टेस्ट जीतकर टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी के साथ बेहतरीन अंदाज में साउथ अफ्रीका दौरा खत्म किया।इस जीत का फायदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंकगणित में भी निश्चिततौर पर होगा। सही मायने में टीम इंडिया का साउथ अफ्रीका दौरा 1-0 की बढ़त पर खत। हुआ है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने टी20 सीरीज बराबरी पर खत्म की। फिर केएल राहुल की कप्तानी में इतिहास रचते हुए भारत ने मेजबान टीम को वनडे सीरीज में 2-1 से मात दी।वहीं रोहित शर्मा की अगुवाई में खेलते हुए भारत ने टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ पर रही। यह साउथ अफ्रीका में दूसरी टेस्ट सीरीज है, जिसको टीम इंडिया ड्रॉ कराने में कामयाब रही है।पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त के बाद टीम इंडिया की किस्मत ने केपटाउन में साथ निभाया जब टॉस का सिक्का रोहित शर्मा के पक्ष में नही रहा।टॉस हारने पर पहले मिली गेंदबाजी ही मैच में निर्णायक साबित हुई। पहले ही दिन जब सिराज की कातिलाना गेंदबाजी के सामने घरेलू टीम मात्र 55 रनों पर ढेर हो गयी।वैसे दोनों ही टीमों के कप्तान पिच को प?ने में नाकामयाब कहे जा सकते हैं।अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे डीन एल्गर ने जब टॉस जीतकर बल्लेबाजी को चुना तो उन्हें भी नहीं मालूम था कि यहां की पिच पहले दिन बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बनने जा रहा है।वैसे कप्तान रोहित शर्मा ने भी कहा था कि अगर वह टॉस जीतते तो पहले बल्लेबाजी को चुनते,मतलब साफ है कि टॉस की हार ने टीम इंडिया का साथ दिया।अगर हम पूरे मैच पर नजर डालें तो फिर केपटाउन की विवादित पिच पर भले ही गए गेंदबाजों का बोलबाला रहा हो,लेकिन एडम मार्करम इसी पिच पर शतकीय पारी भी खेली है जबकि उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज मैच में अर्धशतक भी नहीं बना पाया।मतलब साफ है कि अगर पिच का बर्ताव बल्लेबाजी के अनुकूल न हो तो अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदल कर भी रन बनाये जा सकते हैं।हालांकि उनका शतक टीम को मात्र ब?ी हार से बचाने के काम आया,लेकिन उसके इस अंदाज से सबक लेते हुए पूरी सीरीज में फ्लॉप रहे यशस्वी जयसवाल ने टीम इंडिया की दूसरी पारी में धमाकेदार शुरुआत देकर एकतरफा जीत हासिल करने का काम आसान कर दिया। टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत के बाद अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि केपटाउन की रिकॉर्ड तोड़ पिच को लेकर आईसीसी क्या फैसला करती है। दरअसल, जब कोई भी टेस्ट मैच मात्र 642 गेंदों मे खत्म होता है तो फिर पिच की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लग ही जाते हैं।यह बात अलग है कि इस बार जीत हासिल करने वाली टीम घरेलू नहीं है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

31 साल का सूखा खत्मः सीरीज 1-1 से ड्रॉ, सिराज-बुमराह जीत के हीरो

केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका को हराने वाला एशिया का पहला देश बना भारत

केपटाउन, एजेंसी

केपटाउन में टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया. भारत ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में सात विकेट से धूल चटाई. इसके साथ ही टीम इंडिया के नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है. दरअसल, केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट मैच हराने वाला भारत एशिया का पहला देश बन गया है. वहीं टीम इंडिया ने 31 साल के इतिहास में पहली बार केपटाउन में जीत दर्ज की है. वहीं ओवर के लिहाज से यह मैच टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट मैच साबित हुआ. इस टेस्ट मैच में सिर्फ 107 ओवर का खेल हुआ. केपटाउन में भारत के खिलाफ हमेशा जीतने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली पारी में सिर्फ 55 रनों पर ढेर हुई. इसके बाद दूसरी पारी में एडन मार्करम ने ताबड़तोड़ शतक जड़ा, लेकिन पूरी टीम 176 रन ही बना सकी. दक्षिण अफ्रीका में भारत ने पाचंवीं बार कोई टेस्ट मैच जीता है. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में टीम इंडिया ने 2021, 2018, 2010 और 2006 में जीत दर्ज की थी. हालांकि, केपटाउन में इससे पहले भारत कभी नहीं जीता था। बता दें 1882 में पहली बार कोई टेस्ट मैच 2 दिन में खत्म हुआ। यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 1882 में ओवल (लंदन) में खेला गया था। 9 टेस्ट मैच 19वीं सदी (1801-1900) में 2 दिन में खत्म हुए थे। 8 टेस्ट 20वीं सदी (1901-2000) और 8 टेस्ट 21वीं सदी (2001 से अब तक) खत्म हुए हैं। एक ओर जहां पिछले 3 साल में 4 टेस्ट ऐसे हो गए जिनका नतीजा 2 दिन में आ गया।

ऐसा रहा केपटाउन टेस्ट का लेखा-जोखा

केपटाउन में खेले गए दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में सिर्फ 55 रन बनाए थे. इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 153 रन बनाकर 98 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी. इसके जवाब में दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीकी टीम 176 रनों पर ढेर हो गई और भारत के सामने सिर्फ 79 रनों का लक्ष्य रखा. टीम इंडिया ने सिर्फ तीन विकेट खोकर डेढ़ दिन में ही केपटाउन टेस्ट जीत लिया. भारत के लिए मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह जीत के हीरो रहे. सिराज ने पहली पारी में सिर्फ 16 रन देकर 6 विकेट झटके. इसके बाद दूसरी पारी में जसप्रीत बुमराह दक्षिण अफ्रीकी टीम पर कहर बनकर टूटे. बुमराह ने 61 रन देकर छह बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया. बल्लेबाजी में भारत के लिए पहली पारी में विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए. वहीं शुभमन गिल ने 36 और रोहित शर्मा ने 39 रनों की पारी खेली. इसके बाद दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 28 रन बनाए. वहीं रोहित 17 रनों पर नाबाद लौटे.

भारत की रिकॉर्ड जीत, पर गावस्कर ने जताया अफसोस, इरफान ने भी कहा- दुखी हूं...

टीम इंडिया ने दूसरा टेस्ट महज दो दिन में जीत लिया. भारतीय गेंदबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीकी बैटर बुरी तरह फेल हो गए. मेजबान टीम दोनों पारियों को मिलाकर 231 रन ही बना सकी. यह 146 साल के क्रिकेट इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट मैच है. इस जीत के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने खुशी के साथ दुख भी जताया. गावस्कर ने कहा कि यह मैच डेढ़ दिन में खत्म हो गया. यह साबित करता है कि दक्षिण अफ्रीका की यह टीम कितनी कमजोर है. भारत अगर बेहतर तैयारी करके आता और प्रैक्टिस गेम खेलता तो कोई शक नहीं कि सीरीज भी जीतकर लौटता. लेकिन अफसोस कि जिसे फाइनल फंटियर कहा जा रहा है। वहीं इरफान पठान ने कहा, 'मुझे इस मैच के परिणाम से खुशी भी है और दुख भी है. खुशी भारत की शानदार जीत की है. लेकिन मुझे दुख भी है कि यहां पर भारत के पास सीरीज जीतने का मौका था. अगर हम पहले एडजेस्टमेंट की तैयारी करके आते तो यह सीरीज भी जीत सकते थे.'

भारत ने तीसरी बार दक्षिण अफ्रीका को सौ से कम स्कोर पर समेटा

सिराज ने तीसरी बार टेस्ट क्रिकेट में पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए। द. अफ्रीका तीसरी बार भारत के खिलाफ सौ से कम स्कोर पर आउट हुआ। 2015 में नागपुर में 79 और 2006 में जोहानिसबर्ग में यह टीम 84 रन पर आउट हुई। यह टेस्ट इतिहास में 11वां मौका था जब कोई टीम भारत के खिलाफ 100 से कम स्कोर पर आउट हुई। भारत ने अफ्रीकी टीम को 23.2 ओवर में समेटा, यह सबसे कम गेंदों में उसने किसी टीम को समेटने का अपना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले उसने द. अफ्रीका को ही जोहानिसबर्ग में 2006 में 25.1 ओवर में समेटा था। द. अफ्रीकी पारी में सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंकों में पहुंच सके।

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

12 जनवरी को खेला जाएगा पहला टी-20

वेरागो, एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, केन विलियमसन और डेवोन कॉन्वे की टीम में वापसी हुई है। हेनरी और फर्ग्यूसन अपनी-अपनी चोटों से उबर चुके हैं, जबकि केन विलियमसन और डेवोन कॉन्वे भी ब्रेक के बाद लौट आए है। वहीं पिछले साल अगस्त से टी-20 टीम से बाहर चल रहे रचिन रवींद्र की भी वापसी हुई है। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 12 जनवरी को ऑकलैंड में खेला जाएगा। हेनरी को पुणे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप के दौरान चोट लग गई थी। तब से वे टीम से बाहर थे। हेनरी सभी पांच टी-20 मैच के लिए टीम में शामिल हैं। जबकि, फर्ग्यूसन भी वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हुए थे, उन्हें अंतिम तीन टी-20 के लिए टीम में शामिल किया गया है।

तीसरे मैच में नहीं खेलेंगे विलियमसन

न्यूजीलैंड टीम के रेगुलर कप्तान विलियमसन को हाल ही में खत्म हुए बांग्लादेश के खिलाफ वनडे व टी-20 सीरीज में आराम दिया था उनकी पाक के खिलाफ वापसी हुई विलियमसन तीसरा मैच नहीं खेलेंगे, उनकी जगह अनकैप्ड बैटर जोश क्लार्कसन को कवर के रूप में टीम में मौका मिला है। विलियमसन 4 मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तीसरे मैच में मिचेल कमान संभालेंगे।

गौतम गंभीर के बाद अब विजय दहिया ने एलएसजी का साथ छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 से पहले सहायक कोच विजय दहिया ने लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़ दिया है। विजय दहिया 2022 में लखनऊ के आईपीएल में डेब्यू करने के साथ से ही गौतम गंभीर और एंडी फ्लावर के साथ टीम से जुड़े थे। लखनऊ ने 2022 और 2023 आईपीएल में प्लेऑफ तक का सफर तय किया था। विजय दहिया ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जानकारी दी की वह लखनऊ का साथ छोड़ रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा- एलएसजी को अलविदा कहने का समय आ गया है। लखनऊ के साथ पिछले दो सालों में काम करना एक अद्भुत अनुभव था। गौतम गंभीर और एंडी फ्लावर आईपीएल 2024 ऑक्शन से पहले ही टीम का साथ छोड़ दिया था। गौतम गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ बतौर मेंटर जुड़े हुए थे।

जस्टिन हैं एलएसजी के अब नए कोच

आईपीएल 2024 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने जस्टिन लैंगर को चीफ कोच नियुक्त किया गया है। वहीं भारत के पूर्व स्पिनर श्रीधरन श्रीराम को सहायक कोच के रूप में शामिल किया गया है। जिसके अलावा कोचिंग टीम में प्रवीण तांबे, मोर्ने मोर्कल और जोंटी रोड्स को भी शामिल किया है।

मेट्रो बाजार

नहीं बढ़ेगी चावल की कीमत, एफसीआई ने अब तक 3.1 करोड़ टन चावल खरीदा

नईदिल्ली, एजेंसी

खुले बाजार में चावल की कीमतों में वृद्धि दिख रही है, लेकिन हम ओएमएसएस के जरिये भारी मात्रा में चावल उपलब्ध करा रहे हैं। ऐसे में कीमत नहीं बढ़ने की उम्मीद है। एफसीआई साप्ताहिक नीलामी के जरिये 29 रु.प्रति किलोग्राम पर सिर्फ 1.45 लाख टन चावल ही बेच सका है। एफसीआई ने अब तक 3.1 करोड़ टन चावल खरीदा है। **बेहतर फसल से गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.4 करोड़ टन होने की उम्मीद:** फसल सत्र 2023-24 में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.4 करोड़ टन होने की उम्मीद है। 2022-23 में 11.05 करोड़ टन उत्पादन हुआ था। भारतीय खाद्य निगम के चेयरमैन अशोक के मीणा ने कहा, फसल बेहतर रहने और तापमान के अच्छे होने से गेहूं उत्पादन में तेजी आएगी। गेहूं की रबी सीजन की अंतिम बुवाई अभी चल रही है, जो अगले हफ्ते तक जारी रहेगी। अब तक 3.25 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई हुई है। मीणा ने कहा, हमारा अनुमान है कि इस साल फसल के कुल क्षेत्र में वृद्धि होगी। कृषि मंत्रालय ने रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा, गेहूं की बुवाई के रकबे में वृद्धि देखी जा रही है। कुछ राज्यों में एक फीसदी की कमी थी, जो जनवरी के पहले सप्ताह में पूरी होगी। अगर उत्पादन स्तर यही रहा तो हम अपनी जरूरत से अधिक और अगले वर्ष के लिए खुला बाजार बिक्री योजना के लिए जरूरी अतिरिक्त भंडार भी खरीद पाएंगे। योजना के तहत जून, 2023 से अब तक 59 लाख टन गेहूं बेचा जा चुका है और मार्च तक बिक्री जारी रहेगी।

एथर 450X में मिलेगा ट्रैफिक का रियल टाइम व्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मेकर कंपनी एथर एनर्जी ने अपने पॉपुलर इलेक्ट्रिक स्कूटर 450 एक्स के लिए एक ओवर-द-एयर अपडेट जारी किया है। इससे स्कूटर के नेविगेशन सिस्टम में नए फीचर्स मिलेंगे। नए ओटीए अपडेट को लेकर एथर एनर्जी का कहना है कि उसने 450 एक्स के डिजिटल कंसोल पर लाइव ट्रैफिक इंडीकेटर्स को नया रूप दिया है, जो राइडर को उनके डेस्टीनेशन के बीच रास्ते में ट्रैफिक का रियल टाइम व्यू बताएगा। अब यह ट्रैफिक कंडीशन के बारे में पहले से अधिक सटीक और अपडेट जानकारी देगा। इसके अलावा, अब गूगल मैप्स पर मौजूद दोपहिया वाहनों के लिए स्पेसफिक रूट की जानकारी डैशबोर्ड पर सीधे मिलेगी। कंपनी ने दावा किया है कि इलेक्ट्रिक स्कूटर के सेगमेंट में ये पहला फीचर है। साथ ही इलेक्ट्रिक स्कूटर राइडर्स को नेविगेशन और रूट की जानकारी देने वाला दुनिया का पहला स्कूटर है। कंपनी का यह भी कहना है कि इसके जीपीएस में भी सुधार हुआ है। इससे लगातार नेविगेशन के लिए बेहतर और अधिक स्टेबल कनेक्शन मिलेगा। नई एथर के डैशबोर्ड पर गूगल मैप बेस्ड नेविगेशन सिस्टम में सुधार हुआ है। कंपनी ने नेविगेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए गूगल मैप्स के साथ पार्टनरशिप की है। यह अपडेट मौजूदा 450 एक्स कस्टमर्स के लिए फ्री है, जिसे इस महीने के अंत तक अलग-अलग फेज में जारी किया जाएगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अब कन्नड़ में काम करेंगी करीना कपूर, यश की बनेंगी हीरोइन

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करीना कपूर यश की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक में उनके साथ अभिनय करने के लिए तैयार हैं. यश ने पिछले साल अपनी नई फिल्म की घोषणा की और दिसंबर में ही इसके टाइटल का खुलासा किया था. हालांकि फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन इतना तय है कि ये भी एक्शन सीन्स वाली होगी और इसमें यश कभी देखे न गए लुक में होंगे. इसी बीच बताया जा रहा है कि फिल्म में एक बेबो भी अहम रोल निभा सकती हैं. एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करीना फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. अगर अफवाह सच है, तो यह करीना की कन्नड़ फिल्म की शुरुआत होगी.

टॉक्सिस में काम करेंगी करीना कपूर

फिल्मफेयर के मुताबिक, निर्देशक गीतू मोहनदास और यश आने वाले दिनों में करीना के स्टारकास्ट में शामिल होने की घोषणा कर सकती हैं. ऐसा भी कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग कुछ ही हफ्तों में शुरू हो जाएगी. करीना पहली बॉलीवुड एक्ट्रेस नहीं हैं जो यश के साथ काम करेंगी. 2022 में यश को केजीएफ 2 में रवीना टंडन और संजय दत्त के साथ काम करते देखा गया था. टॉक्सिक की बात करें तो यह फिल्म यश की 19वीं फिल्म है. उन्होंने पिछले महीने न केवल टाइटल जारी किया, बल्कि एक शॉर्ट वीडियो भी जारी किया, जो उनके चरित्र की पहली झलक देखने को मिली थी.

दिख चुकी है टॉक्सिस की झलक

वीडियो में डीसी कॉमिक के फेमस विलन जोकर सहित कई एंटी-हीरोज शामिल हैं. इन एंटी-हीरोज की हर तस्वीर आग की लपटों को पकड़ रही है, हम फिल्म में यश के लुक के और करीब आ रहे हैं. आखिरकार हम पॉट-बेली, रेट्रो टोपी और हाथ में मशीन गन पहने अभिनेता से मिलते हैं. वो सिगार बीते और बंदूक अपने कंधे पर रखे हुए दिखते हैं.

सिद्धांत बोले- फिल्म इंडस्ट्री में लोगों के पास समय नहीं है

सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'खो गए हम कहां' हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे, आदर्श गौरव भी हैं। सिद्धांत को फिल्म में निभाए गए किरदार के लिए तारीफें मिल रही हैं। ऐसे में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में उनका कोई खास दोस्त नहीं है। सिद्धांत चतुर्वेदी ने साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म गली बॉय से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में रणवीर और आलिया लीड में थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म खो गए हम कहां में सिद्धांत ने इमाद का किरदार निभाया। सिद्धांत ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा- मेरे लिए फिल्म का सेट एक ऐसी जगह है जहां मैं आता हूं, काम करता हूं और घर वापस चला जाता हूं। इस दौरान आपके दोस्त बनते हैं। मैंने भी दोस्त बनाए तो हैं, पर सिर्फ दो। एक अर्जुन वरैन सिंह और दूसरा गौरव आदर्श। बतौर एक्टर्स हमारी जॉब्स बहुत अजीब सी होती हैं। आपको पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। अगर आप दोस्त बनाते हैं, तो उनसे मिल नहीं पाते हैं। जैसे कि ईशान खट्टर मेरा एक अच्छा दोस्त है, मगर मैं लंबे समय से ईशान से नहीं मिल पाया हूं। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं जो मेरे दोस्त हैं, लेकिन हमारे पास कनेक्ट करने का समय नहीं होता है।

सोनम ने कहा- मुझे 16 महीने लगे खुद को अपने जैसा पाने में

बॉलीवुड एक्टर्स सोनम कपूर इन दिनों फिल्मों से दूर हैं। बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी और बेटे वायु के जन्म के बाद ज्यादातर सोनम लंदन में अपना समय बिताती हैं। इन दिनों सोनम सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। अपनी जिंदगी से जुड़ी हर उतार-चढ़ाव को अपने चाहने वालों के साथ सोनम सोशल मीडिया के जरिए ही शेयर करती हैं। सोनम ने इंस्टाग्राम हैंडल से खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। सोनम ने अपनी तस्वीरों के साथ एक इमोशनल नोट भी लिखा है। सोनम कपूर ने अगस्त 2022 में अपने बेटे वायु को जन्म दिया। बेटे के जन्म के बाद सोनम के शरीर में काफी बदलाव आएं। अपनी इस सोशल मीडिया पोस्ट में सोनम ने उन्हीं बदलावों का जिक्र किया है। सोनम लिखती हैं, पिछले 16 महीने मेरी जिन्दगी के काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। मैंने इन 16 महीनों में खुद को समय दिया, बेटे की केयर की और वजन को नैचुरली कम होने दिया। अब जा कर मैं खुद को पहले जैसा महसूस कर पा रही हूँ।

बाबरिया गैंग के एक शिकारी ने तमिलनाडु में किया शिकार, खाल बाहर बेची

महाराष्ट्र के जंगल में भी मारे थे बाघ, मप्र एसटीएसएफ कर रही पूछताछ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बाबरिया गैंग से जुड़े कल्ला बाबरिया का एक और साथी मप्र एसटीएसएफ के हाथ चढ़ा है। यह पंजाब का रहने वाला बताया जा रहा है, जिसका नाम पुजारी है और इसने महाराष्ट्र व तमिलनाडु में बाघों का शिकार किया है। महाराष्ट्र वन विभाग ने तो इसे सजा दिलाई लेकिन तमिलनाडु वन विभाग से यह बच रहा था क्योंकि वहां पता ही नहीं चला पा रहा था कि पुजारी ने उनके भी बाघों का शिकार किया है। यह राज मप्र एसटीएसएफ ने के अधिकारियों ने खोला है। जिसके बाद जांच-पड़ताल तेज हुई है।

कुख्यात शिकारी पुजारी ने तमिलनाडु के जंगल में एक या दो नहीं, बल्कि 4 बाघों का शिकार किया था। यह बात उसने तमिलनाडु के जंगलों में शिनाख्त कराकर साबित भी कर दिया है। यह शिनाख्त दिसंबर 2023 के दूसरे सप्ताह में मप्र एसटीएसएफ के अधिकारियों की मौजूदगी में हुई है। असल में पुजारी ने जिन 4 बाघों का शिकार किया था उनमें से 2 की खाल कल्ला बाबरिया को बेची थी। कल्ला बाबरिया बाघों के अवशेषों की तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय तस्कर है जिसे मप्र एसटीएसएफ ने 18 अगस्त 2023 को विदिशा-सागर मार्ग पर ग्यारसपुर से गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई दिल्ली डब्ल्यूसीसीबी के इनपुट के आधार पर की थी। एसटीएसएफ ने जब कल्ला से पूछताछ की तो उसने पुजारी से खाल खरीदना कबूला। जब पूछा गया कि ये खाल कहां के बाघों की थी तब उसने पूरा राज खोला था।

चंद्रपुर जेल में बंद था पुजारी

कल्ला से पूछताछ के आधार पर एसटीएसएफ महाराष्ट्र पहुंची। यहां पूछताछ करने पर पता चला कि पुजारी को बाघों के शिकार के मामले में पकड़ा था। ये शिकार उसने महाराष्ट्र के जंगल में किए थे, तब से वह महाराष्ट्र की चंद्रपुर जेल में बंद है। इस आधार पर पुजारी का नर्मदापुरम कोर्ट से वारंट लेकर एसटीएसएफ चंद्रपुर पहुंची और उसे वहां से लेकर तमिलनाडु गई। जंगलों में लेकर गई, जहां उसने किए गए शिकार की तस्दीक कराई है।

हर्बल प्रोडक्ट के नाम पर 65 लाख की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित प्रियदर्शिनी कॉलोनी, आशाराम नगर में रहने वाली एक महिला को महिला जालसाज ने 65 लाख रुपए का चूना लगा दिया। दरअसल, आरोपी महिला जालसाज के माध्यम से उन्होंने 65 लाख रुपए का हर्बल प्रोडक्ट खरीदा था। कुछ प्रोडक्ट पसंद नहीं आया और उसे लौटा दिया, लेकिन हर्बल कंपनी ने उन्हें 65 लाख रुपए की रकम नहीं लौटाई। पीड़ित महिला ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रियदर्शिनी कॉलोनी, आशाराम नगर फेस टू निवासी स्नेहा बागड़े ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था कि कविता शर्मा के माध्यम से उन्होंने सीलांग की मथुरा शर्मा हर्बल कंपनी का प्रोडक्ट खरीदा था। कंपनी ने उन्हें भोपाल का डिस्टीब्युटर बनाया था। स्नेहा को कुछ प्रोडक्ट पसंद नहीं आए और उन्होंने कंपनी में बात की। कंपनी ने प्रोडक्ट लौटाने की बात कही और रकम लौटाने का भी कहा था। इस पूरी डीलिंग में कविता का मुख्य किरदार था। पुलिस ने शिकायती आवेदन पर प्रकरण दर्ज नहीं किया था। लिहाजा स्नेहा ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश के बाद बागसेवनिया पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यातायात नियमों की जागरुकता को लेकर सेमीनार आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से जोमैटो कंपनी द्वारा गुरुवार को प्रभात चौराहे पर यातायात नियमों की जागरूकता को लेकर सेमीनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात जोन-1 अजय वाजपेयी, संस्था प्रमुख, स्टाप एवं लगभग 300 डिलीवरी बॉय उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त ने कार्यक्रम में उपस्थित डिलीवरी बॉय को बाईक चलान हेतु समझाईश देने के साथ यातायात नियमों की जानकारी दी गई और यातायात नियमों को पालन करने की अपील की। यातायात जागरूकता टीम द्वारा मैनुअल यातायात संकेतों का डेमों दिया गया। साथ ही अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया।

महाराष्ट्र की रहने वाली थी छात्रा, सुसाइड नोट बरामद

एसआरके हॉस्टल में आयुर्वेद की छात्रा ने की आत्महत्या

महाराष्ट्र से भोपाल पहुंचे परिजन, आज परिजन के दर्ज होंगे बयान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित एसआरके यूनिवर्सिटी एसआरके यूनिवर्सिटी गर्ल्स हॉस्टल में गुरुवार शाम आयुर्वेद फर्स्ट ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस ने जांच का हवाला देते हुए सुसाइड नोट में लिखे कर्म का खुलासा नहीं किया है। पुलिस के अनुसार अंजली भारत गरड पिता भारत पत्तम गरड (20) चिंचपुर, के.दी, तहसील परोडा, जिला धाराशिव, महाराष्ट्र की थी। वह एसआरके यूनिवर्सिटी से आयुर्वेदा फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी और यूनिवर्सिटी के गर्ल्स कॉलेज में रह रही थी। गुरुवार शाम करीब चार बजे के आसपास उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला है।

फर्श पर पड़ी मिली लाश, गले में लिपटी रस्सी

कारपेंटर और प्लंबर ने मिलकर दरवाजा तोड़ा तो अंजली की लाश फर्श पर पड़ी मिली। उसके गले में रस्सी का फंदा लिपटा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है।

कॉलेज गई थी रूम पार्टनर

अंजली हॉस्टल के ब्लाक नंबर 1, रूम नंबर 119 में रहती थी। उसके रूम में ऐश्वर्या और रूपाली साथ रहती थी। ऐश्वर्या ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को वह रूपाली और अंजली कॉलेज गए थे। अंजली कॉलेज से जल्दी लौट आई। शाम करीब चार बजे के आसपास ऐश्वर्या और रूपाली कॉलेज से हॉस्टल पहुंची तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। वह कॉल रीसिव भी नहीं कर रही थी। अनहोनी की आशंका होने पर ऐश्वर्या ने वार्डन सत्यभामा दुबे को घटना की जानकारी दी गई। वार्डन मौके पर पहुंची और यूनिवर्सिटी में काम करने वाले प्लंबर और कारपेंटर को बुलाया गया।

ऑफिस में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित सूरज कुंज में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह उसकी लाश ऑफिस में फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि युवक ने मकान फायनेंस कराया था और उसकी किश्त जमा करने में उसे परेशानी आ रही थी। अनुमान है कि इसी बात से दुखी होकर उसने फांसी लगाई है। एएसआई साहेब लाल कुमरे ने बताया कि ब्रज किशोर पिता जय प्रकाश (42) मायाधाम कॉलोनी, गोपाल नगर में अपने फूफा के पास रहते थे। उनका खुद का व्यवसाय था, लेकिन व्यवसाय में घाटा हो गया। इन दिनों वह किसी चंदेल जी के सूरज कुंज अवधपुरी मकान नंबर 26 में संचालित होने वाले ऑफिस में काम कर रहा था। चंदेल जी का अवंतिका इंटरप्राइजेस नाम से आफिस है। वह चंदेल जी की गाड़ी चलाता था। इसके अलवा उनके अन्य काम भी किया करता था। गुरुवार सुबह चंदेल जी का बेटा आफिस पहुंचा था। इस दौरान उसने ब्रज किशोर की लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है।

ट्रेन की चपेट में आने से हम्माल की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित नए ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आए हम्माल की मौत हो गई। अनुमान है कि वह ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रधान आरक्षक मनीष कुमार ने बताया कि सादिक कुरैशी पिता सलीम कुरैशी (33) मोती नगर, झुग्गी सुभाष नगर में रहता था और हम्माली करता था। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात वह नए ओवर ब्रिज के नीचे घायल अवस्था में मिला था। उसे एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि रेलवे ट्रैक पार करते समय वह ट्रेन से टकराया था। उसके सिर में गंभीर चोट थी।

रेलवे स्टेशन पार्किंग ठेकेदार ने पार्टनर को ठगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा पुलिस ने रेलवे स्टेशन भोपाल की साल 2017 में पार्किंग का ठेका लेने वाले ठेकेदार पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने अपने पार्टनर को 4 लाख 20 रुपए की चपत लगा दी। पुलिस के मुताबिक, मूलत- ग्वालियर निवासी राहुल चतुर्वेदी खुद को एक मीडिया संस्थान का कर्मचारी बताता है। उसने पुलिस को बताया कि प्रसून पुरोहित को उसने भोपाल रेलवे स्टेशन की पार्किंग का ठेका लेने 4 लाख 20 हजार रुपए दिया था। पुरोहित ने उसे पार्टनर बनाने का झांसा दिया था। बाद में आरोपी ने न उसे पार्टनर बनाया न ही पैसे वापिस किए। इसपर राहुल ने थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज किया।

मेट्रो एंकर | एक महीने पहले गुम हुआ था मृतक

इलाके का भ्रमण कर रही वन विभाग की टीम को मिला पेड़ पर लटका नरकंकाल

काछी बरखेड़ा के पास टाइगर मूवमेंट होने पर चल रही थी सर्चिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव काछी बरखेड़ा फार्म हाउस के पास जंगल में पेड़ पर एक युवक का नरकंकालनुमा शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक करीब एक महीने पहले घर से बिना बताया निकला था। उसकी परिजन ने गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। पुलिस ने नरकंकाल जब्त कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस डीएनए टेस्ट करा रही है, ताकि मृतक की सही पहचान की जा सके।

थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि खेमचंद अहिरवार काछी बरखेड़ा में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। उनका बेटा राकेश अहिरवार (25) गत 24 दिसंबर से बिना बताए कहीं चला गया था। वह बेटे की तलाश कर रही थे, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। उन्होंने गुनगा थाने में उसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी।

वन विभाग की टीम ने दी सूचना

गुरुवार को टाइगर मूवमेंट की सूचना मिलने पर वन विभाग का अमला गांव के आसपास जंगल में सर्चिंग पर निकला था। इस दौरान अमले ने जंगल में एक युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गुमशुदगी के आधार खेमचंद को लाश दिखाई?थी। कपड़े की पहचान करते हुए खेमचंद ने बताया कि मृतक उसका बेटा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022